समाचार एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें।

पीतम सिंह यादव
9999164275

नई दिल्ली एवं गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित,लखनऊ,गाजियाबाद,मुजफ्फरनगर,मेरठ,हापुड़,बुलन्दशहर,बागपत,फरीदाबाद में एक साथ प्रसारित

दैनिक साईं मीडिया

विश्वास का प्रतीक

वर्ष : 16 अंक : 115 | गौतमबुद्धनगर संस्करण, शुक्रवार, 25 अप्रैल 2025 | पेज: 8 | मूल्य : 2 रूपये

दुश्मनों ने देश की आत्मा पर हमला किया, आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा देंगे': मोदी

बिहार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार में है। बिहार में उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। हालांकि, पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था। उन्होंने अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए वहां मौजूद लोगों से पहलगाम आतंकी हमले में जान गवांने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने की अपील की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने अपने दोनों हाथ जोड़ रखे थे। मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से आतंकवादियों ने मारा है, उससे पूरा देश गुस्से में है। पीड़ित परिवारों के साथ पूरा देश खड़ा है।

मोदी ने कहा इस आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने भाई खोया, किसी ने अपना जीवनसाथी खोया है। कोई बांग्ला बोलता था, कोई मराठी था, कोई गुजराती था, कोई ओडिया था, कोई बिहार का लाल था। आज सभी की मृत्यु पर कारगिल से कन्याकुमारी तक दुख और आक्रोश एक जैसा है। उन्होंने कहा कि हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है, देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जिन्होंने यह हमला किया है, उन आतंकवादियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी, सजा मिल कर रहेगी। अब आतंकियों की बची-कुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की इच्छा शक्ति आतंकवादियों की कमर तोड़ कर रहेगी।

इसके बाद मोदी ने कहा कि आज पंचायती राज दिवस के मौके पर पूरा देश मिथिला से, बिहार से जुड़ा है। आज यहां देश के, बिहार के विकास से जुड़े हजारों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। बिजली, रेल, इंफ्रास्ट्रक्चर के इन विभिन्न कार्यों से बिहार में रोजगार के नए मौके बनेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार वो धरती है, जहां से पूज्य बापू ने सत्याग्रह के मंत्र का विस्तार किया था। पूज्य बापू के दृढ़ विश्वास था कि जब तक भारत के गांव मजबूत नहीं होंगे, तब तक भारत का तेज विकास नहीं हो पाएगा। देश में पंचायती राज की परिकल्पना के पीछे यही भावना है। उन्होंने कहा कि बीते दशक में पंचायतों को सशक्त करने के लिए एक के बाद एक कदम उठाए गए हैं। टेक्नोलॉजी के माध्यम से भी पंचायतों को मजबूत किया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते दशक में 2 लाख से ज्यादा ग्राम पंचायतों को इंटरनेट से जोड़ा गया। 5.50 लाख से ज्यादा कॉमन सर्विस सेंटर गांवों में बने हैं। पंचायतों के डिजिटल होने से एक और फायदा हुआ है। अब जीवन/मृत्यु प्रमाण पत्र, भूमि धारण प्रमाण पत्र जैसे कई दस्तावेज आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के अनेक दशकों बाद जहां देश को संसद की नई ईमारत मिली, वहीं देश में 30 हजार नए पंचायत भवन भी बनाए गए। पंचायतों को पर्याप्त फंड मिले, ये भी सरकार की प्राथमिकता रही है। बीते 10 साल में 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का फंड पंचायतों को मिला है। ये सारा पैसा गांवों के विकास में लगा है।

पर्दे के पीछे छिपे मास्टरमाइंड को नहीं छोड़ेंगे

पहलगाम अटैक पर बोले रक्षा मंत्री- ऐसा जवाब मिलेगा कि दुनिया देखेगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मंगलवार पहलगाम में एक धर्म विशेष को निशाना बनाकर आतंकवादियों ने कायराना हरकत की जिसमें कई निर्दोष लोगों की जान चली गई। उन्होंने आगे कहा कि मैं देशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार हर जरूरी कदम उठाएगी। हम न सिर्फ इस कृत्य के दोषियों तक पहुंचेंगे बल्कि पर्दे के पीछे के किरदारों तक भी पहुंचेंगे।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में दो विदेशी नागरिक सहित 25 लोगों की जान चली गई। श्रीनगर से लेकर दिल्ली तक, हाईलेवल मीटिंग चल रही है। इसी बीच राजनाथ सिंह ने आतंकी हमले पर चिंता जाहिर करते हुए कहा, कल पहलगाम में एक धर्म विशेष को निशाना बनाकर आतंकवादियों ने कायराना हरकत की, जिसमें कई निर्दोष लोगों की जान चली गई।

आतंकियों को मिलेगा करारा जवाब– राजनाथ सिंह ने आगे कहा,मैं देशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार हर जरूरी कदम उठाएगी। हम न सिर्फ इस कृत्य के दोषियों तक पहुंचेंगे बल्कि पर्दे के पीछे के किरदारों तक भी पहुंचेंगे। आरोपियों को जल्द ही जोरदार और स्पष्ट जवाब मिलेगा, यह मैं देश को आश्वस्त करना चाहता हूं।

पहलगाम आतंकी हमले पर सर्वदलीय बैठक खत्म, राजनाथ ने विपक्ष को दी पूरी जानकारी, राहुल बोले- हम सरकार के साथ

नई दिल्ली। सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर कहा कि यह बहुत दुखद घटना है... पिछले कई सालों से कश्मीर में लोग शांति से अपना व्यापार कर रहे थे, टूरिस्ट आ रहे थे, गतिविधियां चल रही थी और सब बहुत अच्छा हो रहा था... सभी राजनैतिक दलों ने अपने-अपने विचारों को रखा और एक बात सामने आई कि देश को एकजुट होकर और एक आवाज में बोलना चाहिए... सभी पार्टियों ने कहा है कि वे सरकार के साथ हैं।

मंगलवार को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हम लोग को लेकर केंद्र सरकार ने आज सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। इस दौरान राजनाथ सिंह ने विपक्ष को पूरी बात बताई पूर्ण सी वही इस बैठक के बाद राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा है कि पूरा विपक्ष सरकार के साथ है। सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर कहा कि यह बहुत दुखद घटना है... पिछले कई सालों से कश्मीर में लोग शांति से अपना व्यापार कर रहे थे, टूरिस्ट आ रहे थे, गतिविधियां चल रही थी और सब बहुत अच्छा हो रहा था... सभी राजनैतिक दलों ने अपने-अपने विचारों को रखा और एक बात सामने आई कि देश को एकजुट होकर और एक आवाज में बोलना चाहिए... सभी पार्टियों ने कहा है कि वे सरकार के साथ है।

केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, "रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी बैठक में मौजूद थे। सभी दलों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। हमने कहा कि जम्मू-कश्मीर में शांति बनाए रखने के प्रयास किए जाने चाहिए...।" लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, "सभी ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की। विपक्ष ने सरकार को कोई भी कार्रवाई करने के लिए पूरा समर्थन दिया है।"इससे पहले विपक्ष ने मांग की थी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बैठक की अध्यक्षता करें। मोदी बृहस्पतिवार को बिहार के दरभंगा के दौरे पर थे, जहां उन्होंने घोषणा की कि पहलगाम के हत्यारों और उनके समर्थकों की पहचान कर उन्हें दंडित किया जाएगा। सर्वदलीय बैठक के एक दिन पहले सरकार ने पाकिस्तान को निशाना बनाकर कई कदमों की घोषणा की। सर्वदलीय बैठक बुलाने का निर्णय बुधवार को लिया गया था और सिंह एवं शाह ने विभिन्न दलों से संपर्क किया। राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित किसी अहम घटना के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाने की परंपरा रही है, जैसा 2019 में पुलवामा आतंकी हमला या 2020 में भारत-चीन गतिरोध के दौरान देखा गया था।

मुकेश अंबानी ने पहलगाम हमले में घायलों के मुफ्त इलाज की पेशकश की

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अंबानी ने एक बयान में कहा कि सभी घायलों को मुंबई में रिलायंस फाउंडेशन सर एचएन अस्पताल में मुफ्त इलाज की पेशकश की जाएगी।

कश्मीर के पहलगाा में आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। इस हमले में लगभग 20 अन्य घायल हो गए हैं। अंबानी ने कहा, ह्लमैं रिलायंस परिवार के सभी सदस्यों के साथ 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले में निर्दोष भारतीयों की मृत्यु पर शोक व्यक्त करता हूं.ह्व

पहलगाम अटैक पर पाकिस्तान को थैंक यू बोलने वाला गिरफ्तार

नईदिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद बोकारो पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक ने हमले के बाद सोशल मीडिया एक्स पर पाकिस्तान को थैंक्यू लिखा था। युवका का नाम मो. नौशाद है। उसके पिता का नाम मो.

मुश्ताक है। चास थाने की पुलिस ने उसे मिल्लतनगर से अरेस्ट किया है।

सुप्रीम कोर्ट में रखा गया मौन– सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। सुप्रीम कोर्ट के जज और स्टाफ ने हमले में मृतकों को मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

महाराष्ट्र सरकार 5 लाख की मदद देगी, 6 पर्यटक मारे गए– पहलगाम हमने में मारे गए पर्यटकों में 6 महाराष्ट्र के भी हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इन पर्यटकों के परिजनों को 5 लाख रुपए की मदद दी जाएगी।

पहलगाम हमले के बीच भारत ने छोड़ी मिसाइल, हिल गया पूरा पाकिस्तान

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का ये शेर दुश्मनों के लिए चेतावनी बन चुका है। भारतीय नौसेना ने गुरुवार को घोषणा की कि उसके नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक, आईएनएस सूरत ने समुद्र की सतह पर उड़ रहे एक तेज, कम उड़ान वाले मिसाइल लक्ष्य को सफलतापूर्वक रोका और नष्ट कर दिया। सफल परीक्षण भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

एक तरफ घाटी में गोलियों की आवाज गूंजी। पहलगाम में कायराना आतंकी हमले से देश गम और गुस्से में डूबा था। दूसरी तरफ अरब सागर आईएनएस सूरत की दहाड़ से गूंज उठा। भारत ने फिर दुनिया को दिखाया कि हम केवल सहते नहीं बल्कि जवाब देना भी जानते हैं। दरअसल, ये भारत की सबसे स्वदेशी और आधुनिक युद्धपोत आईएनएस सूरत है। भारतीय नौसेना का ये शेर दुश्मनों के लिए चेतावनी बन चुका है। भारतीय नौसेना ने गुरुवार को घोषणा की कि उसके नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक, आईएनएस सूरत ने समुद्र की सतह पर उड़ रहे एक तेज, कम उड़ान वाले मिसाइल लक्ष्य को सफलतापूर्वक रोका और नष्ट कर दिया। सफल परीक्षण भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

यह परीक्षण जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के तुरंत बाद किया गया है, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी और इसे पाकिस्तान के लिए एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जिसकी आईएसआई और सेना ने कथित तौर पर नरसंहार की साजिश रची थी। यह ऐसे समय में भी हुआ है जब पाकिस्तान ने 24 और 25 अप्रैल के बीच अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र के भीतर कराची तट से सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण करने की योजना का संकेत देते हुए एक समुद्री सलाह जारी की है। परीक्षण लॉन्च का एक वीडियो साझा करते हुए, भारतीय नौसेना ने कहा कि नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक क्ठर सूरत ने समुद्र की सतह पर लक्ष्य पर सफलतापूर्वक सटीक सहकारी हमला किया, जो हमारी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक और मील का पत्थर है।

पाकिस्तान को सता रहा एयरस्ट्राइक का डर

- भारत के एक्शन के डर से टेंशन में पाकिस्तान, रातभर जागे रहे सेना के अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद से पूरा देश आक्रोशित है। सरकार ने साफ कर दिया है कि इसके हमले को अंजाम देने वाले किसी भी आतंकी को बख्शा नहीं जाएगा। उधर पहलगाम हमले के बाद से ही पाकिस्तानी सेना में दहशत फैल गई है।

पाकिस्तान को डर सता रहा है कि भारत हमले का बदला लेने के लिए एयरस्ट्राइक कर सकता है। पाकिस्तानी सेना में सीमा पार अलर्ट जारी किया हुआ है और पाक सेना के अधिकारी इसी आशंका के चलते रात भर जगे रहे।

पाकिस्तानी सेना में बढ़ी हलचल– फ्लाइट डाटा दिखा रहा है कि भारत से डरकर पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर के पास स्थित अपने बेस पर मिलिट्री विमानों को डिप्लॉय कर रहा है। डेटा के मुताबिक, पाकिस्तानी एयरफोर्स का हरकुलिस एयरक्राफ्ट पीएएफ 189 कराची एयरकमांड से लाहौर लाया गया है। वहीं पाकिस्तान में वीआईपी ट्रांसपोर्ट या इंटेलीजेंस ऑपरेशन के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एम्ब्रेयर फेनोम 100 पीएएफ 101 कराची बेस से रावलपिंडी बेस पर भेजा गया है।

तुर्किये के इस्तांबुल में 6.2 तीव्रता का भूकंप

1 घंटे में भूकंप के 3 बड़े झटके, मरमारा सागर में था भूकंप का केंद्र

अंकारा (एजेंसी)। तुर्किये के इस्तांबुल में आज 6.2 तीव्रता का एक बड़ा भूकंप आया। इसका केंद्र इस्तांबुल के पास मरमारा सागर में था। तुर्किये की इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने बुधवार को बताया कि भूकंप से अभी तक किसी तरह के नुकसान या चोट की कोई खबर नहीं है। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने भी भूकंप की पुष्टि की है और कहा है कि भूकंप जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप से शहर और आसपास के इलाकों में बड़े झटके महसूस किए गए। लोकल मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक भूकंप का सेंटर सिलिवरी के नजदीक था, जो तटीय क्षेत्र है और भूकंपीय एक्टिविटी के लिए जाना जाता है।

पहला भूकंप 3.9 तीव्रता का था और स्थानीय समयानुसार 12:13 बजे सिलिवरी जिले के तट पर आया।

दूसरा भूकंप 6.2 तीव्रता का था और स्थानीय समयानुसार 12:49 बजे उसी इलाके में आया।

तीसरा 4.4 तीव्रता का भूकंप स्थानीय समयानुसार 12:51 बजे इस्तांबुल के बुयुकचेकमेस जिले में आया ।

ताज को निहारते रह गए वेंस

- अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने पत्नी और बच्चों के साथ किया ताजमहल का दीदार,सिटी पैलेस का दौरा रद्द

आगरा/जयपुर (एजेंसी)। भारत दौरे पर आए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने जयपुर के सिटी पैलेस जाना था, लेकिन यह दौरा रद्द कर दिया गया है। माना जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले की वजह से यह फैसला लिया गया। इससे पहले बुधवार सुबह वेंस और उनके परिवार से आगरा में ताजमहल देखा बस देखते ही रह गए। करीब 3 घंटे आगरा में बिताने के बाद वे जयपुर लौट आए। फिलहाल वेंस और उनका परिवार रामबाग पैलेस होटल में हैं। वे गुरुवार सुबह साढ़े 6 बजे अमेरिका रवाना होंगे।

हरियाणा के लेफ्टिनेंट से लिपटकर रो पड़ी पत्नी

- बोली- आई एम प्राउड ऑफ यू, जय हिंद कहकर सैल्यूट किया

करनाल (एजेंसी)। दिल्ली एयरपोर्ट पर पति की पार्थिव देह देखकर पत्नी हिमांशी भावुक होकर लिपट गईं। करनाल में पार्थिव शरीर को ले जाने के लिए फूलों से सजाया वाहन। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों की गोली से कत्ल हुए करनाल के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की नवविवाहित पत्नी उनकी पार्थिव देह से लिपटकर रो पड़ी। विनय का शव करनाल लाने से पहले दिल्ली एयरपोर्ट पर लाया गया था। जहां गुरुग्राम की रहने वाली पत्नी हिमांशी ने विनय के लिए कहा- आई एम प्राउड ऑफ यू (मुझे आप पर गर्व है)। हिमांशी ने विनय को सैल्यूट करते हुए जय हिंद कहा। हिमांशी ने बिलखते हुए कहा-जितने भी दिन साथ में गुजारे, वो बेस्ट थे। मैं अब कैसे जिऊंगी? मैं आपको हर पल याद रखूंगी। आपको सर्वश्रेष्ठ जीवन मिले। हमें आप पर हमेशा गर्व रहेगा।विनय की पार्थिव देह अब दिल्ली से करनाल लाई जा रही है। बता दें कि कल (22 अप्रैल) को पहलगाम में आतंकियों ने नेवी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल (26) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उनकी 7 दिन पहले ही गुरुग्राम की हिमांशी नरवाल से शादी हुई थी। वे दोनों 21 अप्रैल को हनीमून मनाने के लिए पहलगाम गए थे।

भारत शिक्षा एक्सपो-2025 युवा सशक्तिकरण के लिए नए दृष्टिकोण के साथ हुआ भव्य उद्घाटन

मुख्य अतिथि के रूप में ए.सी.ई.ओ ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण प्रेरणा सिंह रही उपस्थित

सांई मीडिया ब्यूरो

*गौतम बुद्ध नगर 24 अप्रैल भारत शिक्षा एक्सपो-2025, भारत की प्रमुख शिक्षा-केंद्रित प्रदर्शनी, का आज एसीईओ, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण प्रेरणा सिंह द्वारा इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, नॉलेज पार्क, ग्रेटर नोएडा में भव्य उद्घाटन किया गया। यह आयोजन 24 से 26 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया जा रहा है और इसका आयोजन इंडिया एक्सपोजीशन मार्ट लिमिटेड द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सहयोग से किया जा रहा है। भव्य उद्घाटन समारोह में माँ शाकुंभरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर कि कुलपति प्रोफेसर विमला बाई, सदस्य सचिव वढरछदअउ और भारत शिक्षा एक्सपो-2025 हेतु उच्च शिक्षा विभाग, यूपी के नोडल अधिकारी दिनेश शर्मा, मानद सलाहकार इनोवेशन हब एकेटीयू लखनऊ डॉक्टर एसपी मिश्रा, प्रमुखझ्रइनोवेशन हब यूपी, एकेटीयू महीप सिंह और मुख्य वित्तीय अधिकारी, क्एटछ, ग्रेटर नोएडा सचिन सिंन्हा उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि प्रेरणा सिंह ने अपने संबोधन में भारत शिक्षा एक्सपो और क्एटछ टीम को एक सुंदर कैनवास के रूप में भारत के शैक्षणिक भविष्य को दशार्ने के लिए बधाई दी और संस्थानों, प्राधिकरणों व उद्योगों के बीच रणनीतिक सहयोग के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा, ह्र क्एटछ ने नॉलेज पार्क को केवल संस्थानों के समूह के रूप में नहीं, बल्कि नवाचार, तकनीक और प्रतिभा के एक प्रगतिशील केंद्र के रूप में कल्पना की है। भारत शिक्षा एक्सपो इस दृष्टि को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करता है और सभी संबंधित पक्षों को एक जीवंत शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए एकजुट करता है।ह्व उन्होंने यह भी कहा कि ह्रग्रेटर नोएडा में 1.5 लाख से अधिक छात्र हैं और चिकित्सा, लिबरल आर्ट्स और तकनीकी संस्थानों के साथ यह शहर राष्ट्रीय और वैश्विक शिक्षा केंद्र बनता जा रहा है।

विशिष्ट अतिथि प्रो. विमला वाई ने कहा कि ह्रछोटे विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय मानकों से प्रतिस्पर्धा करने का साहसिक संकल्प दिखा रहे हैं और भारत शिक्षा एक्सपो-2025 वह मंच है जहां सही हितधारक एक साथ आकर हमारे युवाओं के भविष्य को आकार दे रहे हैं। नई विश्वविद्यालयें नवाचार, कौशल और उद्यमिता में 360-डिग्री दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रही हैं।ह्व

प्रो. दिनेश शर्मा, सदस्य सचिव, वढरछदअउ और भारत शिक्षा एक्सपो-2025 के लिए उच्च शिक्षा विभाग, यूपी के नोडल अधिकारी ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा, ह्रभारत शिक्षा एक्सपो का दूसरा संस्करण भविष्य के लिए तैयार शिक्षा और युवा सशक्तिकरण के लिए एक सशक्त मंच है।ह्व

डॉ. एस.पी. मिश्रा, मानद सलाहकार, इनोवेशन हब, अङळव, लखनऊ ने कहा, ह्रउत्तर प्रदेश सरकार का उद्देश्य हमारे युवाओं को ऐसे वैश्विक नागरिक के रूप में तैयार करना है जो न केवल अकादमिक रूप से सशक्त हों, बल्कि नैतिक रूप से जागरूक और तकनीकी रूप से दक्ष भी हों। भारत शिक्षा एक्सपो जैसे आयोजन प्रदेश द्वारा गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुख शिक्षा को सबके लिए सुलभ बनाने के प्रयासों को दशार्ते हैं।ह्व

महीप सिंह, प्रमुख झ्र इनोवेशन हब यूपी, अङळव ने कहा, ह्रमाननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कौशल विकास एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गया है। भारत शिक्षा एक्सपो उद्योग से जुड़ी शिक्षा, नवाचार और युवा सशक्तिकरण को केंद्र में लाने के लिए हमारे साझा विजन को दशार्ता है।

सचिन सिन्हा, मुख्य वित्तीय अधिकारी, क्एटछ, ग्रेटर नोएडा ने सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए भारत शिक्षा एक्सपो के दूसरे संस्करण को सफल बनाने में उनके योगदान की सराहना की।

इस वर्ष के एक्सपो में 100+ प्रदर्शक भाग ले रहे हैं, जिनमें प्रमुख शैक्षणिक संस्थान, एजु-टेक कंपनियाँ, कौशल विकास एजेंसियाँ और वैश्विक अध्ययन सलाहकार शामिल हैं, जो 7,000 वर्ग मीटर में फैले हैं। इस आयोजन में शिक्षा व करियर मार्गदर्शन, लाइव डेमो, रोबोटिक्स कार्यशालाएं, ड्रोन प्रदर्शनी, क्विज और सिंगिंग प्रतियोगिताएं जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं।

भारत शिक्षा एक्सपो-2025 भारत के भावी नवप्रवर्तकों, तकनीकी विशेषज्ञों, चिंतकों और नेताओं को संवारने हेतु एक सशक्त मंच के रूप में आकार ले रहा है।

व्यापारिक समस्याओं के समाधान को लेकर जिला व्यापार बंधु समिति की बैठक सम्पन्न

व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें संबंधित अधिकारीगण: अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व)

सांई मीडिया ब्यूरो

*गौतमबुद्धनगर 24 अप्रैल जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निदेशों के क्रम में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला व्यापार बंधु समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य जनपद में व्यापारिक गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालित करना तथा व्यापारियों को आ रही समस्याओं का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करना था।

इस बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अतुल कुमार ने की। बैठक में विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने अतिक्रमण, यातायात जाम, पार्किंग की समस्या, सड़कों की जर्जर स्थिति एवं जीएसटी संबंधी जटिलताओं से संबंधित मुद्दों को प्रमुखता से रखा। व्यापारियों ने बताया कि इन समस्याओं के कारण व्यापार संचालन में निरंतर बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि व्यापारियों की समस्याओं का निस्तारण त्वरित और प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने नगर पालिका दादरी को निर्देशित किया कि बाजार क्षेत्रों में प्रवर्तन अभियान चलाकर अतिक्रमण को हटाया जाए। साथ ही पुलिस विभाग को यातायात प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने हेतु तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक का संचालन उपायुक्त प्रशासन (राज्य कर) एवं समिति के सचिव द्वारा किया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग, प्राधिकरण, विद्युत विभाग, नगर पालिका सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं व्यापार मंडलों के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में सम्पन्न हुई प्राक्कलन समिति की प्रथम उप समिति की बैठक

सांई मीडिया ब्यूरो

*गौतम बुद्ध नगर 23 अप्रैल उत्तर प्रदेश अठारहवीं विधान सभा की प्राक्कलन समिति (वर्ष 2024-25) की प्रथम उप समिति की बैठक आज गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के माननीय सभापति एवं मेरठ कैंट से विधायक अमित अग्रवाल ने की। बैठक में समिति सदस्य डॉ. मंजू शिवाच, रवेंद्र पाल सिंह, शाहिद मंजूर, एमएलसी श्रीचंद शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी तथा जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे तथा विभिन्न विभागों एवं प्राधिकरणों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक में परिवहन, चिकित्सा स्वास्थ्य, ऊर्जा, खाद्य एवं रसद, लोक निर्माण, नगर विकास, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास (यूपीडा, यमुनाएक्सप्रेसवे, नोएडा, ग्रेटर नोएडा), ग्राम्य विकास, पर्यटन, स्टांप एवं पंजीकरण, आवास एवं शहरी नियोजन, राज्य कर, समाज कल्याण एवं सिंचाई विभागों की योजनाओं और बजटीय प्रावधानों की गहन समीक्षा की गई।

परिवहन विभाग को डग्गामार बसों पर रोक लगाने और जनपद में सिटी बस सेवा प्रारंभ करने के निर्देश दिए गये। स्वास्थ्य विभाग को बजट के सापेक्ष व्यय में लापरवाही पर 15 दिन में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश तथा विद्युत विभाग को बड़े बकायेदारों से वसूली और हिंडन क्षेत्र में प्रीपेड मीटर लगाए जाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही प्राधिकरण से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों की जो भी समस्या प्राधिकरण से संबंधित है उनके संज्ञान लेते हुए तत्काल उनके निस्तारण सुनिश्चित करायें।

माननीय सभापति ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़ी योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी और समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विकास कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और तत्परता पर विशेष बल दिया।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने समिति को आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए सभी दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन कराया जाएगा एवं अद्यतन रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाएगी।

बैठक के उपरांत माननीय सभापति द्वारा पहलगाम में जान गवाने वाले पर्यटकों को श्रद्धांजलि देते हुए 2 मिनट का मौन रखा गया।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर चारुल यादव, उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र कुमार सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हीट वेव से बचाव को लेकर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की समीक्षा बैठक सम्पन्न

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की अध्यक्षता में विभागवार कार्ययोजना पर हुआ विचार-विमर्श

सांई मीडिया ब्यूरो

*गौतम बुद्ध नगर 24 अप्रैल जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निदेर्शानुसार जनपद गौतम बुद्ध नगर में लू/हीट वेव की संभावित स्थितियों से निपटने हेतु आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अतुलकुमार द्वारा की गई, जिसमें जनपद के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

अपर जिलाधिकारी की वित्त एवं राजस्व ने कहा कि बढ़ती गर्मी और मौसम में हो रहे असामान्य परिवर्तन के दृष्टिगत हीट वेव से जनहानि की आशंका बनी रहती है। ऐसी आपदा से बचाव एवं राहत कार्यों के लिए सभी विभागों को सजग, सतर्क एवं तत्पर रहना होगा।

स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा जिला अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में ओआरएस, जीवनरक्षक दवाएं एवं तरल पेय की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही 108/102 आपातकालीन सेवाएं सक्रिय रहें तथा स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण देकर ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता अभियान संचालित किए जाएं।

परिवहन विभाग को सार्वजनिक स्थानों, बस अड्डों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पीने के शुद्ध पानी एवं छायायुक्त विश्राम स्थलों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्वास्थ्य टीमों की तैनाती हेतु समुचित योजना तैयार करने को कहा गया।

पशुपालन विभाग को निर्देशित किया गया कि पशुओं के लिए पेयजल, छायायुक्त स्थान, नियमित टीकाकरण एवं पशु चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। गांवों में पशुपालकों को लू से बचाव के लिए जागरूक किया जाए।

अग्निशमन विभाग को फैक्ट्रियों एवं औद्योगिक इकाइयों का नियमित निरीक्षण कर अग्निकांड की घटनाओं पर नियंत्रण हेतु प्रभावी रणनीति बनाने और तहसील स्तर के अग्निशमन केंद्रों को सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए।

पुलिस विभाग एवं प्राधिकरण के संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि हीट वेव से बचाव संबंधी लघु वीडियो, संदेशों और चेतावनियों का प्रसारण सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, एलईडी स्क्रीन और कूड़ा वाहन आदि में लगे पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जा सके।

बैठक के अंत में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने सभी विभागों से अपेक्षा की कि वे समयबद्ध रूप से शासन को राहत कार्यों की रिपोर्टिंग करें एवं परस्पर समन्वय स्थापित करते हुए जनपदवासियों को हीट वेव से सुरक्षित रखने हेतु सतत प्रयास करें।

इस अवसर पर पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में पर्यटन के दौरान जान गंवाने वाले पर्यटकों को श्रद्धांजलि स्वरूप दो मिनट का मौन भी रखा गया। आयोजित बैठक में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अरुण कुमार, जिला खनन अधिकारी उत्कर्ष त्रिपाठी, जिला पंचायत राज अधिकारी वीरेंद्र सिंह, डिप्टी सीएमओ टिकम सिंह, एआरएम यूपीएसआरटीसी नोएडा एस एन पांडेय, एआरएम ग्रेटर नोएडा अनिल कुमार शर्मा, एसीपी ट्रैफिक शकील मोहम्मद, ईओ दादरी शालिनी, जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राजकुमार रावत बने एमएलसी डॉ. सुरेंद्र चौधरी के गौतमबुद्ध नगर जनपद के जिला प्रतिनिधि

सांई मीडिया ब्यूरो

गौतम बुद्ध नगर एमएलसी एवं विधान परिषद की संसदीय अध्ययन समिति के सभापति, दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री डॉ. सुरेन्द्र चौधरी ने राजकुमार रावल को गौतम बुद्ध नगर जनपद में अपना जिला प्रतिनिधि नियुक्त किया है। राजकुमार रावल घोड़ी बछेड़ी जिला गौतम बुद्ध नगर के रहने वाले हैं। वे भारतीय सर्व समाज महासंघ के उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। राजकुमार रावल की एमएलसी का जिला प्रतिनिधि नियुक्ति की सूचना पाकर गौतम बुद्ध नगर जिले में सर्व समाज में हर्ष की लहर दौड़ गई। राजकुमार रावल को बधाई देने वालों का तांता लग गया। इस मौके पर राजकुमार रावल ने कहा कि वे दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री डॉक्टर सुरेंद्र चौधरी द्वारा उन्हें दी जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाएंगे। उनका प्रयास होगा कि वह जनता की समस्याओं का प्रशासन से निदान कराकर उन्हें राहत दिलाने का काम करेंगे। उन्होंने अपनी इस नियुक्ति का श्रेय प्रतिनिधि जितेंद्र गौड़ को दिया। राजकुमार रावल को जिला प्रतिनिधि नियुक्त किया जाने पर बधाई देने वालों मेंरोहित रावल,बृजेश कुमार, राम प्रकाश, रमेश चंद्र चौहान, पवन कुमार, भूपेंद्र सिंह,नरेश चंद, प्रदीप कुमार, विमल, सुनील कुमार, विनीत कश्यप, एडवोकेट, चंद्रवीर, गौरव गिरी, सूरजपाल, धर्मवीर सिंह, राकेश वर्मा, अरुण तोमर, मनोज तोमर, विनोद तोमर, विक्रम सिंह,
बृजेश कनौजिया, ललित कुमार,सूरज गौड, गजेन्द्र गौड़, सोनी यादव,

जिला गंगा समिति एवं पर्यावरण/वृक्षारोपण/वैटलैंड समिति की बैठक संपन्न

वृक्षारोपण कार्यक्रम की तैयारी को लेकर अधिकारियों को दिए गए निर्देश

सांई मीडिया ब्यूरो

*गौतम बुद्ध नगर 24 अप्रैल जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में आज कलेक्ट्रेट के सभागार में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अतुल कुमार की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति एवं जिला वृक्षारोपण/पर्यावरण/वैटलैंड समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने वृक्षारोपण कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी वृक्षारोपण अभियान हेतु सभी विभाग अपने-अपने स्थलों का चिन्हांकन शीघ्र पूरा करें एवं कार्ययोजना अगली बैठक में प्रस्तुत करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि गत वर्ष किये गये वृक्षों की शत-प्रतिशत जियो टैगिंग सुनिश्चित की जाए एवं वृक्षारोपण की सत्यापन रिपोर्ट तत्काल उपलब्ध कराई जाए।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि वर्ष 2025-26 हेतु वृक्षारोपण स्थलों का चिन्हांकन करते हुए उसकी सूचना जल्द साझा करें एवं शासन द्वारा प्राप्त लक्ष्यों के अनुरूप सभी तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूर्ण की जाएं।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने निर्देशित किया कि वृक्षारोपण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए तथा इसमें औद्योगिक इकाइयों, आरडब्ल्यूए, शैक्षणिक संस्थानों, एनजीओ एवं स्कूली बच्चों की भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया जाए, जिससे यह जनांदोलन का रूप ले सके।

पर्यावरण समिति की बैठक की समीक्षा करते हुए उन्होंने ओवरलोडिंग व बिना ढके निर्माण सामग्री के परिवहन पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए तथा कहा कि संबंधित विभाग संयुक्त रूप से अभियान चलाकर कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही, कूड़ा जलाए जाने की घटनाओं पर तत्काल एफआईआर दर्ज करते हुए दोषियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

उन्होंने प्राधिकरणों के अधिकारियों को वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु प्रभावी कदम उठाने, एनजीटी व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दिशा-निदेर्शों का सख्ती से पालन कराने, तथा सीएंडडी व लिगेसी वेस्ट के निस्तारण हेतु ठोस व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

जिला गंगा समिति की समीक्षा के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने यमुना व हिंडन नदी के किनारे विशेष सफाई अभियान चलाने, तथा सेक्टर-94 एवं छिजारसी स्थित घाटों की मरम्मत हेतु सिंचाई विभाग एवं प्राधिकरण के संबंधित अधिकारियों से 7 दिवस के भीतर कार्ययोजना प्रस्तुत करने को कहा। साथ ही वेटलैंड क्षेत्रों में की गई डिमोलिशन कार्रवाई की रिपोर्ट संबंधित उपजिलाधिकारियों से मांगी गई। इस अवसर पर जिला गंगा समिति मे आईआईपीए नई दिल्ली संस्थान से दो सदस्यों द्वारा प्रतिभाग कर जिला गंगा कार्य योजना प्रस्तुत किया गया।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल, प्रभागीय वन अधिकारी प्रमोद कुमार, यूपीपीसीबी के क्षेत्रीय प्रबंधक उत्सव शर्मा सहित पुलिस, प्राधिकरण एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में सम्पन्न हुई प्राक्कलन समिति की प्रथम उप समिति की बैठक

मा0 सभापति अमित अग्रवाल ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

सांई मीडिया ब्यूरो

*गौतम बुद्ध नगर 24 अप्रैल उत्तर प्रदेश अठारहवीं विधान सभा की प्राक्कलन समिति (वर्ष 2024-25) की प्रथम उप समिति की बैठक विगत दिवस देर रात्रि गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के माननीय सभापति एवं मेरठ कैंट से विधायक अमित अग्रवाल ने की। बैठक में समिति सदस्य डॉ. मंजू शिवाच, रवेंद्र पाल सिंह, शाहिद मंजूर, एमएलसी श्रीचंद शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी तथा जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे तथा विभिन्न विभागों एवं प्राधिकरणों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक में परिवहन, चिकित्सा स्वास्थ्य, ऊर्जा, खाद्य एवं रसद, लोक निर्माण, नगर विकास, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास (यूपीडा, यमुनाएक्सप्रेसवे, नोएडा, ग्रेटर नोएडा), ग्राम्य विकास, पर्यटन, स्टांप एवं पंजीकरण, आवास एवं शहरी नियोजन, राज्य कर, समाज कल्याण एवं सिंचाई विभागों की योजनाओं और बजटीय प्रावधानों की गहन समीक्षा की गई।

माननीय सभापति ने परिवहन विभाग की समीक्षा करते हुए परिवहन विभाग का अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद से जो भी निजी बसें अन्य जनपदों के लिए संचालित की जा रही है, अभियान चलाकर यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि सभी का पंजीकरण वैध हैं और और जिन बसों का पंजीकरण खत्म हो गया है उनको तत्काल सीज किए जाने के करवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने आम जनमानस के आवागमन को सरल बनाने हेतु जनपद में सिटी बस सेवा प्रारंभ करने हेतु निर्देश दिए।

मा0 सभापति ने स्वास्थ्य विभाग को बजट के सापेक्ष कम व्यय करने पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को निर्देशित किया कि वह प्राप्त बजट एवं व्यय रजिस्टर की समीक्षा करते हुए आगामी 15 दिनों में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करें ।उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कहा की उत्तर प्रदेश शासन द्वारा स्वास्थ्य संबंधी जो भी कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, स्वास्थ्य विभाग उसमें व्यक्तिगत रुचि रखते हुए उनका लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने का काम करें, ताकि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंच सके।

मा0 सभापति ने विद्युत विभाग को बड़े बकायेदारों की सूची तैयार करते हुए उनसे विशेष अभियान चलाकर वसूली करनेके निर्देश दिए।प्राधिकरण से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों की जो भी समस्या प्राधिकरण से संबंधित है उनका संज्ञान लेते हुए तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करायें। उन्होंने प्राधिकरण के अधिकारियों से कहा कि नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में लाखों लोगों की आबादी निवास करती है, दोनों क्षेत्रों में प्राधिकरण के अधिकारीगण जनता की अपेक्षा के अनुसार विकास कार्य करते हुए विकास कार्य किये जाये। उन्होंने कहा कि जनपद के प्राधिकरणों का मुख्य उद्देश्य विकास करना होना चाहिए बिजनेस नहीं। इसलिए आम जनमानस से जुड़ी समस्याओं को प्राधिकरण के अधिकारीगण गंभीरता से लेते हुए उनका निराकरण करें।

माननीय सभापति ने स्टाम्प विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में जिला प्रशासन एवं प्राधिकरण से समन्वय स्थापित करते हुए कार्यालय हेतु भूमि चिन्हित करायें, ताकि रजिस्ट्री हेतु आने वाले आम जनमानस को कार्यालय में सभी मूलभूत सुविधाएं मानकों के अनुरूप प्राप्त हो सके।

माननीय सभापति ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़ी योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी और समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विकास कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और तत्परता पर विशेष बल दिया।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने समिति को आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए सभी दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन कराया जाएगा एवं अद्यतन रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाएगी।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर चारुल यादव, उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र कुमार सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पूरी शक्ति से आतंक के विषैले फनों को कुचला जाएगाः सीएम योगी

पहलगाम आतंकी हमले का शिकार बने कानपुर के शुभम द्विवेदी के अंतिम दर्शन करने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

सीएम योगी ने शुभम के पार्थिव शरीर को दी भावभीनी श्रद्धांजलि, पत्नी से सुनी आतंकी घटना की पूरी आपबीती*

सांई मीडिया ब्यूरो

कानपुर, 24 अप्रैल।* पहलगाम आतंकी हमले का शिकार बने कानपुर के शुभम द्विवेदी का गुरुवार को ड्योढ़ी घाट पर हजारों लोगों की मौजूदगी में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कानपुर के लाल को अंतिम विदाई दी। परिवार को सांत्वना देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार सुबह शुभम के हाथीपुर (कानपुर) स्थित आवास पर पहुंचे और वहां उन्होंने शुभम के पार्थिव शरीर को नमन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने शुभम के पिता से बातचीत की और उनकी पत्नी से पूरी आपबीती सुनी। परिवार को ढांढस बंधाने के बाद मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पहलगाम में घटी आतंकी घटना क्रूर, वीभत्स और कायराना है। यह घटना बताती है कि आतंकवाद अपनी अंतिम सांस ले रहा है। उन्होंने परिवार समेत पूरे प्रदेश और देश के लोगों को भरोसा जताया कि यह सरकार आतंकी और उग्रवादी घटनाओं को जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ कार्य कर रही है और जिन लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया है पूरी शक्ति से आतंक के इन विषैले फनों को कुचला जाएगा। उन्होंने कहा कि जो लोग इस साजिश का हिस्सा बने हैं, उन्हें परिणाम भुगतना होगा और आप सभी इसके साक्षी बनेंगे। उन्होंने ये भी कहा कि हिंदू मां बहनों के साथ उनके सामने ही उनके सिंदूर के साथ जो बर्बरता की गई है, इसी प्रकार से आतंकवादियों और उनके आकाओं को उसकी सजा जरूर मिलेगी। इसमें कोई संदेह किसी को नहीं होना चाहिए।

शुभम के परिजनों को सांत्वना देने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर जो आतंकी हमला हुआ है उसमें कानपुर का नौजवान शुभम द्विवेदी भी शिकार हुआ है। यह हमला एक क्रूर, वीभत्स, कायराना कृत्य है जिसकी भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के हर सभ्य समाज ने निंदा की है। यह घटना बताती है कि आतंकवाद अपनी अंतिम सांस ले रहा है। निर्दोष पर्यटकों पर उनकी जाति और धर्म पूछकर हमला किया गया और बहन बेटियों के सामने उनके सिंदूर को उजाड़ा गया। यह कोई सभ्य समाज स्वीकार नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की आतंकवाद और उग्रवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की जो नीति रही है वह प्रभावी ढंग से आतंकवाद को नेस्तनाबूत करेगी। इसके ताबूत पर अंतिम कील ठोकने की शुरूआत हो चुकी है। प्रधानमंत्री जी की अध्यक्षता में बुधवार को सीसीएस की बैठक में कड़े निर्णय लिए गए हैं। गृह मंत्री जी ने स्वयं उन क्षेत्रों का दौरा किया जहां यह घटना घटी है। आगे की रणनीति के साथ ही आतंकवाद और उग्रवाद के खात्मे के लिए अब पूरा भारत आगे बढ़ा है। आतंकवाद और उग्रवाद के प्रति भारत की जो जीरो टॉलरेंस की नीति है, पूरे भारत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शुभम द्विवेदी परिवार का एकमात्र पुत्र था। 2 महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी। हम सभी दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हैं और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। इस घड़ी में पूरा देश इस अमानवीय और बर्बर कृत्य की निंदा करता है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार पूरे परिवार के साथ खड़ी है। याद रखना यह डबल इंजन की सरकार है और यह सरकार किसी भी बर्बर और अमानवीय आतंकी घटना को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ कार्य करना जानती है। यह वो सरकार नहीं जो आतंकवादियों पर दायर मुकदमों को वापस लेती हो या वहां भी अपना वोट बैंक देखती हो।

मालूम हो कि शुभम का शव बुधवार रात को लखनऊ और फिर देर रात कानपुर पहुंचा। सीएम योगी के निर्देश पर शुभम का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान से किए जाने की व्यवस्था की गई। इस दुख की घड़ी में सीएम योगी भी परिवार के लोगों का दुख दर्द बांटने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शुभम के पिता और फिर पत्नी से बातचीत की और पूरी आपबीती सुनी। शुभम की दो महीने पहले ही शादी हुई थी। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, सांसद रमेश अवस्थी, मंत्री प्रतिभा शुक्ला समेत विधायक और अधिकारीगण मौजूद रहे।

सौर ऊर्जा से रोशनी के साथ रोजगार भी देगी योगी सरकार

2027 तक सौर ऊर्जा के माध्यम से 30 हजार लोगों को रोजगार और कौशल से जोड़ने का है लक्ष्य

सांई मीडिया ब्यूरो

लखनऊ, 24 अप्रैल।* उत्तर प्रदेश में योगी सरकार सौर ऊर्जा के माध्यम से न केवल

विभिन्न कौशल विकास माध्यमों से युवाओं को रोजगार से जोड़ रही है सरकार

2027 तक सोलर प्रोडक्शन को भी 22,000 मेगावाट तक लाने का रखा गया है लक्ष्य

सोलर रूफटॉप आवासीय, अनावासीय, पीएम कुसुम और यूटिलिटी स्केल में की गई है वृद्धि

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है, बल्कि युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार और कौशल विकास से भी जोड़ रही है। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2027 तक राज्य में 30,000 युवाओं को सोलर एनर्जी सेक्टर में कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ा जाए। इस अभियान को गति देने के लिए उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास प्राधिकरण (यूपीनेडा) राष्ट्रीय लघु उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय संस्थान और स्किल डेवलपमेंट मिनिस्ट्री भारत सरकार के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं। इन संस्थानों के माध्यम से युवाओं को सोलर स्किल्स की ट्रेनिंग दी जा रही है, जिससे वे आने वाले समय में आत्मनिर्भर बन सकें।योगी सरकार का मानना है कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में बढ़ती मांग से इंस्टॉलेशन टेक्नीशियन, सोलर पैनल मेंटेनेंस इंजीनियर, साइट सुपरवाइजर जैसे कई तकनीकी पदों पर युवाओं को रोजगार मिलेगा। इसके लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। यूपीनेडा और राष्ट्रीय लघु उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय संस्थान और स्किल डेवलपमेंट मिनिस्ट्री ने सूर्य घर योजना के अंतर्गत चरणबद्ध तरीके से वेंडर्स को प्रशिक्षण प्रदान है। लगभग 1800 लोगों को इसके माध्यम से प्रशिक्षित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त प्रदेश में सूर्य मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम, सौर शॉप्स योजना और सूर्य सखी योजना भी संचालित की जा रही है। इनके माध्यम से न सिर्फ युवाओं को बल्कि ग्रामीण महिलाओं को भी प्रशिक्षित कर रोजगार से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है। इन सभी योजनाओं से योगी सरकार का लक्ष्य है कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को न केवल आत्मनिर्भर बनाया जाए, बल्कि महिलाओं और युवाओं को आर्थिक रूप से भी सशक्त किया जाए।

राज्य सरकार ने 2027 तक कुल 22,000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके तहत विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन लक्ष्य तय किए गए हैं। इसमें सोलर रूफटॉप (आवासीय) के लिए 4500 मेगावाट (20%), सोलर रूफटॉप (अनावासीय) के लिए 1500 मेगावाट (7%), पीएम कुसुम योजना के लिए 2000 मेगावाट (9%) और यूटिलिटी स्केल सोलर में सर्वाधिक 14,000 मेगावाट (64%) का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत किसानों को सौर पंप प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे सिंचाई की लागत कम होगी और किसान ऊर्जा उत्पादन से अतिरिक्त आय भी प्राप्त कर सकेंगे। वहीं, रूफटॉप सोलर योजना के अंतर्गत आवासीय और अनावासीय भवनों की छतों पर सौर पैनल लगाकर लोग अपनी बिजली जरूरतें खुद पूरी कर सकेंगे।

शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए नई रणनीति तैयार कर रही योगी सरकार

अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए संचालित कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना में आधुनिक तकनीकी कोर्स शामिल करने की है तैयारी

सांई मीडिया ब्यूरो

लखनऊ, 24 अप्रैल।* योगी सरकार अब अन्य पिछड़ा वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को तकनीकी रूप से और अधिक

प्रशिक्षण केंद्रों में होगा रोजगारोन्मुख डिजिटल कौशल का होगा विस्तार

अन्य पिछड़ा वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को मिलेगा एआई, ड्रोन और साइबर सुरक्षा का प्रशिक्षण

योगी सरकार की तकनीकी पहल से इन युवाओं को मिलेंगे नए जमाने के डिजिटल टूल्स

दक्ष बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। योगी सरकार द्वारा संचालित कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना में अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक), ड्रोन तकनीक और साइबर सुरक्षा जैसे आधुनिक व रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम शामिल करने की तैयारी की जा रही है। इस संबंध में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग जल्द विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर बजट अनुमोदन की प्रक्रिया भी प्रारम्भ करेगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग युवाओं को आधुनिक तकनीकी व रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया जाएगा। बदलते वैश्विक तकनीकी परिदृश्य के अनुरूप यदि युवाओं को प्रशिक्षित किया जाए तो वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकेंगे बल्कि स्टार्टअप, सुरक्षा, कृषि, शिक्षा और प्रशासनिक क्षेत्रों में नवाचार का हिस्सा भी बन सकेंगे। इन तकनीकों का प्रशिक्षण सामाजिक रूप से पिछड़े वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को भी मुख्यधारा से जोड़ने में सहायक होगा।

पिछड़ा वर्ग कल्याण व दिव्यांग सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने बताया कि योगी सरकार हर वर्ग को साथ लेकर उनके सशक्तीकरण की दिशा में आगे बढ़ रही है। उनके इसी प्रयास को गति देते हुए अब अन्य पिछड़े बेरोजार युवाओं को तकनीकी क्षेत्र में निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण में आधुनिक कोर्सेस जो जोड़ने जा रही है। उन्होंने बताया कि सीएम योगी की मंशा है कि पारंपरिक कंप्यूटर कोर्सों के साथ-साथ युवाओं ऐसे कौशल भी सिखाए जाएं जो युवाओं को सीधे रोजगार से जोड़ सकें।

योगी सरकार द्वारा संचालित कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना में अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक), ड्रोन तकनीक और साइबर सुरक्षा जैसे आधुनिक व रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम शामिल करेगी। अन्य पिछड़ा वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त करने के लिए प्रशिक्षण योजना की नियमावली में संशोधन करेगी। इसके साथ ही प्रशिक्षण केंद्रों पर पाठ्यक्रमों को आधुनिक रूप से पुनःसंरचित किया जा रहा है और प्रशिक्षकों को भी नवाचारों से अपडेट किया जा रहा है। अभी तक इन प्रशिक्षण केंद्रों में ड-लेवल व उउउ की कंप्यूटर ट्रेनिंग दी जा रही है। नए प्रस्ताव में विभाग अब नए कोर्सेस के अनुसार नए सिरे से प्रशिक्षण संस्थाओं का चयन करेगा, जहां युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा सके।

इसके साथ ही कंप्यूटर प्रशिक्षण के लाभार्थियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए भौतिक सत्यापन अनिवार्य किया गया है, ताकि वास्तविक पात्र युवाओं को ही लाभ मिल सके। साथ ही, इस योजना के क्रियान्वयन की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए समयबद्ध मॉनिटरिंग और फीडबैक तंत्र को भी मजबूत किया जा रहा है। यह पहल न केवल प्रदेश के तकनीकी विकास को गति देगी बल्कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के अभियानों को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। विभाग ने बीते वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस योजना के तहत 29,769 युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है, जिसके लिए सरकार ने 32.92 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

योगी सरकार गोरखपुर में बना रही देश की पहली इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी

कूड़े से बनेगा चारकोल, वेस्ट मैनेजमेंट का रोल मॉडल बनेगा गोरखपुर

पहले चरण में घरेलू सॉलिड वेस्ट से चारकोल बनाएगा एनटीपीसी, नगर निगम से हो चुका है एमओयू

चारकोल बनाने के लिए सहजनवा के सुथनी में स्थापित प्लांट में मशीनों का ट्रायल शुरू

500 टन प्रतिदिन कूड़ा निस्तारण की क्षमता का है वेस्ट टू चारकोल प्लांट

इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी में हजार्डस डोमेस्टिक वेस्ट डिस्पोजल प्लांट भी बना रहा नगर निगम

सांई मीडिया ब्यूरो

गोरखपुर, 24 अप्रैल। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप कचरा प्रबंधन (वेस्ट मैनेजमेंट) में गोरखपुर को रोल मॉडल बनाने की तैयारी जोरों पर जारी है। इसका जिम्मा उठाया है गोरखपुर नगर निगम ने। योगी सरकार के निर्देश पर नगर निगम, सहजनवा के सुथनी में 40 एकड़ में इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी बना रहा है। इसके अंतर्गत पहले चरण में नगर निगम से एमओयू कर नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन (एनटीपीसी) ठोस घरेलू कचरे (सॉलिड डोमेस्टिक वेस्ट) से टॉरफाइड चारकोल बनाने बनाएगा। एनटीपीसी ने कचरे से चारकोल प्रोडक्शन यूनिट लगाने का काम लगभग पूरा कर लिया है और वर्तमान में मशीनों के ट्रायल का दौर जारी है।

देश में कूड़े से टॉरफाइड चारकोल (हरित कोयला) बनाने का पहला प्लांट वाराणसी में लगा है अब दूसरा प्लांट गोरखपुर में लग रहा है। एनटीपीसी की तरफ से लगने वाले इस प्लांट के लिए नगर निगम ने अपने तरह के देश अनूठे प्रोजेक्ट इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी में 15 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई है। एनटीपीसी ने वेस्ट टू चारकोल प्रोजेक्ट के लिए 255 करोड़ रुपये का निवेश किया है। प्लांट के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में नगर निगम और एनटीपीसी के बीच करार 15 अक्टूबर 2023 को हुआ था। अब इस प्लांट का फेज वन बनकर लगभग तैयार है।

नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल के अनुसार इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी सुथनी (सहजनवा) में एनटीपीसी का 500 टन प्रतिदिन की क्षमता के कचरे से चारकोल बनाने का प्लांट जल्द ही क्रियाशील हो जाएगा। एनटीपीसी को चारकोल बनाने के लिए जरूरी कचरा उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी नगर निगम की होगी। इसमें कोई दिक्कत भी नहीं आएगी। कारण करीब 500 टन प्रतिदिन कचरे का उत्सर्जन अकेले नगर निगम क्षेत्र में है। इसमें से 200 टन गीला कचरा प्रस्तावित बायो सीएनजी प्लांट को एवं शेष सूखा कचरा चारकोल प्लांट को जाएगा। इसके साथ ही आसपास की नगरपालिका या नगर पंचायतों जैसे खलीलाबाद नगरपालिका, सहजनवा, घघसरा, उनवल, मगहर, बांसगांव आदि नगर पंचायतों से भी निकलने वाले कूड़े को प्लांट को उपलब्ध कराया जाएगा। एनटीपीसी के चारकोल प्लांट के लगने से नगर निगम पर 25 वर्षों में आने वाले संचालन एवं अनुरक्षण हेतु टिपिंग फीस पर करीब 650 करोड़ रुपये के वित्तीय व्यय भार की बचत होगी। प्लांट से निकलने वाले चारकोल को एनटीपीसी द्वारा समय समय पर अपने पॉवर प्लांट पर शिफ्ट कर दिया जाएगा। इससे स्टोरेज के लिए अधिक भूमि की जरूरत नहीं पड़ेगी।

इस बीच नगर निगम की तरफ से खतरनाक घरेलू कचरा (हजार्डस डोमेस्टिक वेस्ट) के निस्तारण के लिए 5 टन प्रतिदिन की क्षमता का प्लांट लगाने की भी प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए सिविल वर्क का कार्य जारी है। इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी में 10 एकड़ में बायो सीएनजी प्लांट भी स्थापित होना है। यहां लिक्विड वेस्ट की प्रोसेसिंग होगी। बायो सीएनजी प्लांट के लिए नगर निगम ने 10 एकड़ जमीन की व्यवस्था की है।

जर्मनी में सराहा जा चुका है इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी का प्रेजेंटेशन

नगर निगम गोरखपुर के इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी का प्रेजेंटेशन जर्मनी के बर्लिन शहर में इस माह के पहले सप्ताह में सर्कुलर इकोनॉमी की एक महत्वपूर्ण ग्लोबल बैठक में हो चुका है। इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल में गोरखपुर के नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल भी शामिल हुए थे। वेस्ट मैनेजमेंट के लिए एकीकृत व्यवस्था के इस मॉडल को वहां खूब सराहना मिली।

यूपी की आबोहवा को पॉल्यूशन फ्री बनाएंगे गिग वर्कर्स

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इलेक्ट्रिक व्हीकल को बढ़ावा देने के लिए मास्टर प्लान तैयार

सांई मीडिया ब्यूरो

लखनऊ, 24 अप्रैल।* मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में न केवल औद्योगिक और आर्थिक विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहा है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ परिवहन के क्षेत्र में भी एक मिसाल कायम करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदूषण मुक्त वातावरण के लिए योगी सरकार ने इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) को बढ़ावा देने की एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है, जिसमें गिग वर्कर्स केंद्र बिंदु हैं। इस पहल के तहत सरकार ने एक व्यापक मास्टर प्लान तैयार किया है, जिसका लक्ष्य दो लाख से अधिक दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए ड्ड100 करोड़ की सब्सिडी प्रदान करना है। विशेष रूप से फ्लिपकार्ट, अमेजन, स्विगी और जोमैटो जैसी कंपनियों के गिग वर्कर्स को इस योजना का प्रमुख हिस्सा बनाया गया है, ताकि प्रदेश की आबोहवा को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाया जा सके।

गिग इकॉनमी, जिसमें ई-कॉमर्स और फूड डिलीवरी जैसे क्षेत्रों में कार्यरत लाखों युवा शामिल हैं, उत्तर प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से विस्तार कर रही है। ये गिग वर्कर्स, जो रोजाना हजारों किलोमीटर की यात्रा करते हैं और पारंपरिक पेट्रोल-डीजल वाहनों के माध्यम से अनजाने में वायु प्रदूषण में योगदान करते हैं। योगी सरकार ने इस चुनौती को एक अवसर में बदलने का फैसला किया है। सरकार का मानना है कि यदि गिग वर्कर्स को इलेक्ट्रिक वाहनों से जोड़ा जाए, तो न केवल वायु प्रदूषण में कमी आएगी, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण के लिए एक जन-आंदोलन का रूप ले सकता है।

उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग एंड मोबिलिटी नीति 2022 के तहत, दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए ड्ड100 करोड़ की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। यह सब्सिडी गिग वर्कर्स के लिए ईवी खरीद को किफायती बनाएगी, जिससे वे बिना वित्तीय बोझ के इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। इसके अलावा सरकार ने फ्लिपकार्ट, अमेजन, डेल्हीवरी, स्विगी और जोमैटो जैसी कंपनियों के साथ सहयोग की योजना बनाई है। इन कंपनियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है कि वे अपने डिलीवरी फ्लीट को धीरे-धीरे इलेक्ट्रिक वाहनों में परिवर्तित करें। इसके लिए विशेष छूट और तकनीकी सहायता भी प्रदान की जाएगी।

सरकार की इलेक्ट्रिक व्हीकल नीति 2022 न केवल गिग वर्कर्स तक सीमित है, बल्कि यह सभी प्रकार के वाहनों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर ले जाने का एक व्यापक प्रयास भी है। नीति के तहत कुल ड्ड440 करोड़ की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है, जिसके तहत 2.35 लाख लाभार्थियों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है। इसमें ड्ड100 करोड़ की सब्सिडी, जिससे दो लाख से अधिक गिग वर्कर्स और अन्य नागरिक लाभान्वित होंगे। ड्ड250 करोड़ की सब्सिडी, जो टैक्सी और निजी वाहन मालिकों को प्रोत्साहित करेगी। ड्ड10 करोड़ की सब्सिडी, जो लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्ट सेक्टर को मदद पहुंचाएगी और ड्ड80 करोड़ की सब्सिडी, जो सार्वजनिक परिवहन को पर्यावरण के अनुकूल बनाएगी।

योगी सरकार की यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि यह गिग वर्कर्स के लिए आर्थिक लाभ भी लेकर आई है। इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग न केवल ईंधन की लागत को कम करता है, बल्कि रखरखाव की लागत को भी काफी हद तक घटाता है। इससे गिग वर्कर्स की आय में वृद्धि होगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। साथ ही, चार्जिंग स्टेशनों और ईवी मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों की स्थापना से नए रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं। योगी सरकार की इस पहल का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को भारत का पहला ऐसा राज्य बनाना है, जहां गिग इकॉनमी और पर्यावरण संरक्षण एक साथ मिलकर काम करें। सरकार का मानना है कि यदि गिग वर्कर्स जैसे छोटे-छोटे योगदानकर्ता इस क्रांति का हिस्सा बनते हैं, तो बड़े पैमाने पर बदलाव संभव है। इसके लिए सरकार न केवल नीतिगत समर्थन दे रही है, बल्कि निजी क्षेत्र और सामाजिक संगठनों को भी इस अभियान में शामिल करने की दिशा में काम कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

चोरी की दो मोटरसाइकिल के साथ आरोपी गिरफ्तार

कुशीनगर , एजेंसी। थाना कोतवाली पडरौना पुलिस ने चोरी की घटना का पर्दाफाश करते हुए चोरी की दो मोटरसाइकिल के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। कुशीनगर जिले में अपराध व अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को थाना कोतवाली पडरौना पुलिस ने चोरी व चोरी की संपत्ति के संबंध में दर्ज एक मुकदमे तथा इसी धारा में दर्ज दूसरे मुकदमे से संबंधित अभियुक्त अजय चौहान निवासी शाहपुर खलवापट्टी थाना विशुनपुरा जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार कया है। उसके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल व एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। पुलिस आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है।

युवक का शव रखकर खैर रोड पर लगाया जाम

अलीगढ़, एजेंसी। थाना लोधा क्षेत्र के गांव ताजपुर रसूलपुर में सोमवार दोपहर स्विमिंग पूल में मृत मिले युवक के परिजनों ने मंगलवार दोपहर खैर रोड पर शव रख कर जाम लगा दिया। इससे पहले परिजनों ने हत्या करने का आरोप लगा कर स्विमिंग पूल संचालक और दोस्तों के खिलाफ लोधा थाने में तहरीर दी है।

इस प्रदर्शन में सबसे ज्यादा महिलाएं थीं, जो उग्र हो गईं थीं। दोपहर तीन बजे से शाम साढ़े सात बजे तक खैर रोड पर जाम लगा रहा। सड़क पर शव रखने की सूचना पर लोधा थाना के एसओ अंकित सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे। रोरावर व देहली गेट थाने की पुलिस भी पहुंच गई। परिजनों को समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन मृतक युवक के परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे।

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने 25 लाख रुपये के मुआवजे की मांग उठाई। मशक्कत के बाद जाम खुलवाया गया। गौर हो कि थाना देहली गेट के नगला महताब नई आबादी बाग निवासी युवक रवि (19) वर्ष के पिता हरिकेश कुमार पुत्र दानसहाय ने लोधा थाने में दोपहर को तहरीर देकर बताया कि उनका पुत्र रवि सोमवार दोपहर तीन बजे के करीब अपने दोस्त प्रह्लाद, अरुण, निखिल व लल्ला के साथ ताजपुर रसूलपुर के गगन पब्लिक स्कूल के पास बने महादेव स्विमिंग पूल में नहाने के लिए गया था।

कुछ देर बाद दोस्तों ने स्विमिंग पूल के गार्ड से पूछा कि रवि का कहीं पता नहीं चल रहा है। तलाश किया तो रवि स्विमिंग पूल में मरा मिला। उसकी गर्दन टूटी हुई थी, पिता हरिकेश कुमार का आरोप है कि उनके बेटे की हत्या कर स्विमिंग पूल में फेंक दिया गया है।

थाने के बाहर हाई वोल्टेज ड्रामा: मेरठ में पति के लिए भिड़ी दो पत्नियां, जमकर मारपीट

मेरठ , एजेंसी। ईश्क, बेवफाई और फिर विवाद का एक और मामला मेरठ में सामने आया। यहां एक पति को लेकर दो पत्नियां आपस में भिड़ गईं। दोनों ने एक दूसरे के साथ जमकर मारपीट की। एक दूसरे के बाल पकड़कर खींचे।

जानकारी के अनुसार मेरठ के ब्रहम्पुरी थाने के गेट पर उस वक्त हंगामा हो गया जब एक पति के लिए उसकी दो पत्नियां आपस में भिड़ गईं। दोनों ने बीच सड़क पर एक दूसरे को जमकर पीटा। वहीं इस पूरे ड्रामे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

दरअसल क्षेत्र निवासी इरशाद ने हाल ही में पत्नी को बिना बताए दूसरी शादी कर ली। इसकी भनक जैसे ही मायके में रह रही पहली पत्नी को लगी तो वह ब्रह्मपुरी पहुंच गई। वहीं इरशाद का कहना है कि उसकी पहली पत्नी चार बच्चों को छोड़कर प्रेमी संग फरार हो गई थी। आठ माह तक इंतजार करने के बावजूद वह नहीं लौटी।

इसके बाद इरशाद ने दूसरी शादी कर ली। पता चलते ही पहली पत्नी वापस आने की बात करने लगी और साथ रहने की जिद करने लगी। विवाद इतना बढ़ गया कि पहली पत्नी ने अपना भाई बुला लिया। इसके बाद परिवार थाने पहुंचा तो थाने के बाहर ही पति की पिटाई कर दी। दोनों पक्षों में लात-घूंसे चले, और मारपीट में दोनों महिलाएं घायल हो गईं।

पुलिस ने हस्तक्षेप कर किसी तरह हालात काबू में किए और दोनों पक्षों के खिलाफ शांति भंग करने के आरोप में धारा 151 के तहत कार्रवाई की है। फिलहाल, थाने के गेट पर हुई इस मारपीट की चर्चा पूरे शहर में है, और वीडियो तेजी से इंटरनेट पर वायरल हो रहा है।

पहलगाम आतंकी हमला: ईदगाह में शोकसभा का आयोजन, धर्मगुरुओं ने घायलों की सलामती के लिए दुआ की

लखनऊ , एजेंसी। कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से पूरा देश आक्रोशित है। मंगलवार को आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग करते हुए 26 लोगों की हत्या कर दी थी। सोशल मीडिया पर देशवासियों का आक्रोश दिख रहा है। लखनऊ की ईदगाह में मृतकों की आत्मा की शांति के लिए और घायलों की सलामती के लिए दुआ की गई। इस मौके पर ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले की हम कड़े शब्दों में निंदा करते हैं और जो लोग मारे गए हैं उनके परिजनों से हमदर्दी का इजहार करते हैं साथ ही घायलों के जल्दी स्वस्थ होने के लिए दुआ करते हैं।

इस मौके पर उन्होंने कश्मीर की अवाम से अपील करते हुए कहा कि अमन और शांति बनाए रखें और आतंकवाद को खत्म करने में मदद करें। इसके साथ ही पर्यटकों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। उन्होंने सरकार से भी अपील की है कि हमले के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

मौलाना सैफ अब्बास ने आतंकी हमले को अफसोसनाक करार दिया है। कहा कि इसकी जितनी निंदा की जाए वो कम है। कोई भी मजहब इस तरह की हिंसा की इजाजत नहीं देता जिसमें मासूम लोगों का खून बहाया जाए। उन्होंने कहा कि बुधवार शाम को हम लोग घंटा घर से रूमी गेट तक मृतकों के परिजनों से हमदर्दी के लिए कैंडिल मार्च करेंगे। इसमें उन्होंने ज्यादा से ज्यादा लोगों के शामिल होने की अपील की है।

रेकी करने के बाद वारदात को दिया अंजाम: खुलासा हुआ है कि आतंकियों ने रेकी के बाद वारदात को अंजाम दिया था। बताया जा रहा है कि हमले को अंजाम देने में छह आतंकी शामिल थे। जानकारी मिली है कि हमलावरों ने एक से सात अप्रैल तक इस इलाके की रेकी की।

पहलगाम आतंकी हमला : सीएम योगी बोले कायरतापूर्ण हरकत, अखिलेश और मायावती के साथ कांग्रेस ने खेद व्यक्त किया

लखनऊ , एजेंसी । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला कायरतापूर्ण, अक्षम्य और घोर निंदनीय है। उन्होंने इस दुखद घटना में अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति शोक संवेदनाएं जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लिखा कि प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्माओं को सद्गति एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

आतंकियों पर सख्त कार्रवाई करे सरकार : मायावती : बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। बसपा सुप्रीमो ने मंगलवार को जारी अपने बयान में कहा कि जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले में अनेकों लोगों के मारे जाने व घायल होने की घटना दुखद, निंदनीय व चिंतनीय है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जाहिर की। साथ ही, सरकार से इस घटना को गंभीरता से लेकर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कश्मीर घाटी के पहलगाम में आतंकवादी हमले को पूरी तरह कायराना हमला करार दिया है। उन्होंने कहा कि कश्मीर घाटी में पर्यटकों पर यह आतंकी हमला किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने हमले में हुई मौत पर संवेदना व्यक्त करते हुए सभी घायल सैलानियों के स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने बयान जारी कर कहा है कि कश्मीर घाटी की पहचान अमन व शांति की है। उन्होंने कहा कि यह हमला कश्मीरियत के मेदास के खिलाफ है। इस आतंकी हमले की जिम्मेदारी एक बड़े सगंठित आतंकी संगठन ने ली है। उन्होंने कहा कि कश्मीर को इस समय पूर्ण राज्य का दर्जा हासिल नहीं है। वहां के लेफ्निंट गर्वनर के पास गृह विभाग है। ऐसे में केन्द्र सरकार को इस आतंकी हमले की पूरी तरह नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए प्रमोद तिवारी ने कहा कि केन्द्र सरकार इस आतंकी हमले का कठोर और माकूल जबाब तुरंत दे। उन्होंने गम्भीर सवाल उठाया कि यह चिंताजनक है कि पाकिस्तानी सीमा पर से आखिर हथियार कैसे आ रहे हैं। वहीं उन्होंने यह भी सवाल उठाया है कि केन्द्र बताए कि सीमा पर से आतंकवादी कैसे कश्मीर घाटी में अपना फन फैला रहे हैं। उन्होंने इस हमले को लेकर केन्द्र सरकार को भी कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि वह दावा करती आ रही है कि धारा 370 समाप्त होने के बाद वहां आतंकवाद मर गया है।

पहलगाम में आतंकी हमला निंदनीय : अखिलेश : सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले की भयावह तस्वीरें दिल दहला देने वाली हैं। ये हमला हर दृष्टिकोण से निंदनीय है।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम हमले की निंदा औरमृतकों को भारत माता मंदिर दीवानी चौराहा पर श्रद्धांजलि

आरती यादव (सांई मीडिया.)

आगरा। सर्व ब्राह्मण कुल समाज समिति आगरा पंजीकृत और चाणक्य सेना द्वारा जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुई गोलाबारी की वारदात में निर्दोष सनातनी हिंदुओं और उत्तर प्रदेश कानपुर के ब्राह्मण युवा की हत्या की भयावह घटना विरोध में एक शोक सभा का आयोजन समाधि मंदिर सूर्यनगर दीवानी पर की और वहां से सभी ने पदयात्रा करके भारत माता के मंदिर दीवानी चौराहे पर श्रद्धांजलि दी और आतंकवादियों को जल्द से जल्द उनको किए की सजा देने की मांग की इतिहास की इस भयानक घटना की निंदा करते हुए और हत्या में मारे गये सनातनी हिंदुओं को उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी और सरकार से मांग करती है कि हमले में घायल लोगों का समुचित इलाज कराया जाए और उनके परिजनों का भी ख्याल रखा जाए और ऐसे कायराना और विकृत मानसिकताओं वाले आतंकियों को जल्द से जल्द सबक सिखाएं, हमें सरकार पर पूरा भरोसा है पहले की तरह इस बार भी ऐसी हरकत करने वालों पर लगाम लगाई जाएगी समिति में निंदा करने वालों में सुरेश चंद्र पाठक, डॉ एस सी अग्निहोत्री, प्रेम शंकर शर्मा, सतीश चंद शर्मा, शिवकांत मिश्रा, मुकेश कुमार शर्मा, जेपी लवानिया, रामविलास पाठक, मुरली मोहन शर्मा ,सतीश कुमार देवेंद्र शर्मा ,विनोद कुमार शर्मा, आशुतोष गौतम ,रेखा गौड़, श्रीमती प्रीति मिश्रा ,योगेश भारद्वाज ,राकेश पांडे ,बृजेश गौतम ,अरविंद दुबे, अनिल पाठक ,मूलचंद ,शिवदत्त शर्मा ,राकेश शर्मा ,शिवनारायण दुबे, नृत्य किशोर पचौरी, नरेंद्र शर्मा, राम अवतार शर्मा, डॉ प्रमोद रावत, वरुण उपाध्याय, हरीश शर्मा ,राजेंद्र पाराशर ,आदि उपस्थित रहे, अपना विरोध प्रदर्शन करने वालों में कैलाश नारायण मिश्रा पवन समाधिया राहुल चतुर्वेदी, यतेश लवानिया, लक्ष्मी लवानिया, श्रीमती बबीता पाठक,योगेश पुरी, राजेश शर्मा और चाणक्य सेना के सदस्यों ने इस पदयात्रा में आतंकवादियों के खिलाफ नारे लगाते हुए और उन्हें जल्द से जल्द ढूंढ कर सजा देने की मांग करते हुए पाकिस्तान के साथ किसी भी प्रकार का संबंध न रखने की सरकार से आग्रह किया चाणक्य सेना द्वारा निकलने जाने वाली भगवान महर्षि परशुराम जी की शोभायात्रा 27 अप्रैल 2025 दिन रविवार समय दोपहर 3:00 बजे सेंट जॉन'एस चौराहे से श्रीराम फार्म हाउस दयालबाग में सभी को एकता का संदेश देने के लिए एकत्र होने का निवेदन किया, सर्व ब्राह्मण कुल सभा समिति आगरा पंजीकृत द्वारा निकाले जाने वाली भगवान महर्षि परशुराम शोभा यात्रा 4 मई 2025 दिन रविवार समय सुबह 7: 00 बजे राधा कृष्ण मंदिर लॉयर्स कॉलोनी से हरिओम सेवा सदन अमर बिहार पुलिस चौकी दयालबाग तक भोजन प्रसादी का आयोजन किया जाएगा इसमें सभी ब्राह्मण बंधु सनातन धर्म की एकता के लिए सभी सनातनी एकत्र होकर एकता का परिचय दें

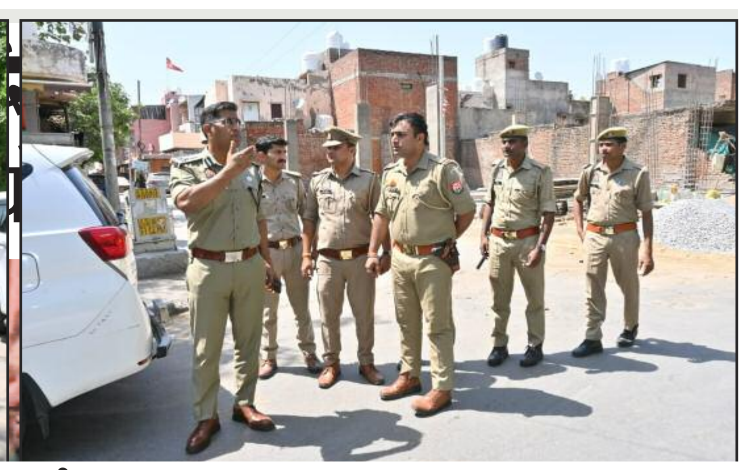

गारा (आरती यादव)

थाना ताजगंज क्षेत्र में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या करने सम्बन्धी घटना में पुलिस द्वारा सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है। घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस टीमों का गठन कर अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं। अपर पुलिस आयुक्त, आगरा द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर बारीकी से स्थिति का अवलोकन किया गया तथा समस्त साक्ष्यों के संकलन व प्रभावी विवेचना सुनिश्चित करते हुए अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं।

युवती को अगवा कर दुष्कर्म, फिर हरियाणा के अधेड़ को बेचकर करा दी शादी, महिला समेत चार गिरफ्तार

मेरठ , एजेंसी। देवबंद गुर्जरवाड़ा निवासी वंश ने सहारनपुर जनपद से मवाना क्षेत्र के एक गांव में अपने मामा के घर आई युवती को बहला-फुसला कर अगवा किया। युवती मामा के घर से दो लाख रुपये और सोने-चांदी के जेवरात लेकर गई। आरोपी ने युवती के साथ दुष्कर्म किया। बाद में अपने ताऊ की मदद से युवती को पानीपत ले जाकर 55 साल के अधेड़ व्यक्ति से मोटी रकम लेकर उसे बेच दिया और उसकी अधेड़ से शादी करा दी।

पुलिस ने युवती को तलाश कर दुष्कर्म और मानव तस्करी के मामले में महिला समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया। शादी करने वाले अधेड़ की तलाश की जा रही है। मंगलवार को पीड़िता के न्यायालय में बयान कराए जाएंगे। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा के मुताबिक 13 अप्रैल को मवाना थाने पर युवती के मामा ने मामला दर्ज कराया था। बताया था कि सहारनपुर के देवबंद क्षेत्र के एक गांव से उसकी भांजी यहां आई थी।

5 अप्रैल को आरोपी वंश उसे यहां से बहला-फुसला कर अगवा कर ले गया। भांजी घर से दो लाख रुपये और करीब 18 तोले सोने के जेवरात व चांदी के जेवर भी लेकर गए। आरोपी वंश उसे शादी का झांसा देकर ले गया। पुलिस ने सर्विलांस की मदद से युवती को सहारनपुर से तलाश किया। मुख्य आरोपी वंश के अलावा उसके ताऊ गुर्जरवाडा देवबंद निवासी ऋषिपाल, गांव मंगलौरा करनाल हरियाणा निवासी रेणू, देवबंद निवासी नीरज को गिरफ्तार किया।

आरोपियों के पास से पुलिस ने 48960 रुपये, सोने के जेवरात, फर्जी शादी का प्रमाण पत्र बरामद किया। ऋषिपाल पर 12 मुकदमे दर्ज हैं, वह मानव तस्करी के मामले में पहले भी जेल जा चुका है। एसएसपी ने बताया कि चारों को जेल भेज दिया गया है। अमित की तलाश की जा रही है।

पहले से अधेड़ की शादी कराने का प्लान था: एसएसपी के अनुसार आरोपियों और पीड़िता से पूछताछ में पता चला कि वंश ने पहले युवती को अपने प्रेमजाल में फंसाया। वह युवती को उसके मामा के यहां से युवती को बहका फुसलाकर लेकर गया। उसने युवती के साथ दुष्कर्म किया। वंश ने युवती की मुलाकात अपने ताऊ ऋषिपाल, उसकी महिला दोस्त रेनू व नीरज से कराई। जहां चारों ने युवती के साथ धोखा करते हुए मोटी रकम लेकर युवती को रेणू के रिश्तेदार 55 साल के अधेड़ अमित निवासी नागल खेड़ी, पानीपत हरियाणा को बेच दिया। साथ ही धोखे से अमित से उसकी शादी भी करा दी। मोटी रकम लेकर अधेड़ की शादी कराने की योजना काफी समय से बना रखी थी, बस लड़की की तलाश थी, जो अब पूरी हो गई थी।

नव नियुक्त डी आई जी आगरा बेहतरीन मिजाज के मालिक आली जनाब शैलेश कुमार पांडे जी ने फिरोजाबाद का दौरा करके चौकी नालबंद थाना दक्षिण पर हिंदू और मुस्लिम धर्म गुरुओं से मुलाकात की

गारा (आरती यादव)

नव नियुक्त डी आई जी आगरा बेहतरीन मिजाज के मालिक आली जनाब शैलेश कुमार पांडे जी ने फिरोजाबाद का दौरा करके चौकी नालबंद थाना दक्षिण पर हिंदू और मुस्लिम धर्म गुरुओं से मुलाकात की

साथ में फिरोजाबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आली जनाब सौरभ दीक्षित जी के साथ सभी धर्म गुरुओं से मुलाकात करके कहां की पुलिस अच्छे लोगों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं देती है पुलिस अधिकारी से लेकर बीट कांस्टेबल तक 24 घंटे पुलिसिंग कर करके जनता की सेवा करती है,

पुलिस अपराधियों के लिए सख्त के साथ काम कर रही है अपराधियों को किसी भी कीमत पर छोड़ नहीं जाएगा,

आम जनता के लिए पुलिस के दरवाजे 24 घंटे खुले हैं किसी भी तरह की दिक्कत होने पर तुरंत 112 चौकी थाने से संपर्क करें आपकी समस्याओं को सुनकर तुरंत निदान किया जाएगा

नवनियुक्त डीआईजी आली जनाब शैलेश कुमार पांडे जी ने सभी से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान नहीं दें खासकर नौजवान सोशल मीडिया का बहुत सतर्कता के साथ इस्तेमाल करें

किसी भी भड़काऊ मैसेज को आदान-प्रदान न करें जिससे कानूनी दिक्कत आए

अपने मोहल्ले के जिम्मेदार नागरिक पार्षद गण सभी बुजुर्ग इस चीज का ध्यान रखें कि आपके मोहल्ले और गली में कोई भी अराजक तत्व माहौल को खराब करने की कोशिश ना करें

प्रशासन के साथ-साथ अमन पसंद नागरिक की भी जिम्मेदारी होती है के सब लोग मिलकर भाईचारे को कायम रखें,

सभी धर्म गुरुओं जिम्मेदार लोगों ने डीआईजी साहब से कहा कि फिरोजाबाद के हम सब लोग मेहमान नवाजी और स्वागत में सबसे आगे रहते हैं

लेकिन कल की दुखद घटना ने हम सबका बहुत दिल दुख हुआ है इसलिए हम आपका स्वागत नहीं कर पा रहे हैं

सभी हिंदू मुस्लिम धर्म गुरुओं ने कल पहलगाम की घटना को लेकर दुख प्रकट करते हुए घटना की निंदा की

घटना में मरने वालों के परिवार जनों के लिए दुआ की और इस दुख की घड़ी में मृतक के परिवार जनों को दुख सहने की ऊपरवाला हिम्मत और ताकत दे

बैठक में मुख्य रूप से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आली जनाब सौरभ दीक्षित जी, नगर पुलिस अधीक्षक आली जनाब रवि शंकर प्रसाद जी, सीओ सिटी आली जनाब अरुण कुमार चौरसिया जी, एल आई यू प्रभारी प्रेमपाल सिंह जी, थाना दक्षिण प्रभारी योगेंद्र पाल सिंह जी, थाना उत्तर प्रभारी राजेश कुमार पांडे जी, थाना रामगढ़ प्रभारी संजीव कुमार दुबे जी, थाना रसूलपुर प्रभारी अनुज सिंह जी,

मुस्लिम धर्मगुरु शहर मुफ्ती इमाम ईदगाह तनवीर अहमद कासमी,

हिंदू धर्म गुरु पंडित मुन्नालाल शास्त्री,

मौलाना आलम मुस्तफा याकूबी, मौलाना अमीन अख्तर, मौलाना अरशद रजवी, पार्षद श्याम सिंह यादव, पंडित हिरदेश शर्मा, रामनरेश कटरा, इकबाल हुसैन वारसी, भानु उपाध्याय, हिकमत उल्ला खान, आदि मौजूद रहे,

संक्षिप्त समाचार

क्रिया की प्रतिक्रिया होगी, नया भारत पाकिस्तान को सबक सिखाएगा: शिंदे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट हुए आतंकवादी हमले को लेकर मंगलवार को पाकिस्तान की आलोचना की और कहा कि क्रिया की प्रतिक्रिया होगी। कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट 'मिनी स्विटरलैंड' नाम से मशहूर पर्यटन स्थल बैसरन पर हुए आतंकवादी हमले में दो विदेशी और दो स्थानीय नागरिकों समेत 26 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में ज्यादातर पर्यटक थे। यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे बड़ा हमला है। पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी)के छद्म संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। मंगलवार देर रात पार्टी के एक कार्यक्रम में शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र के कुछ पर्यटकों पर भी आतंकवादियों ने हमला किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रगति जगताप नाम की एक लड़की से बात की, जिसने बताया कि उसके पिता और चाचा को आतंकवादियों ने गोली मार दी थी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार राज्य के पर्यटकों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, ''लड़की ने बताया कि वे (आतंकवादी) पुलिस की वर्दी में आए और उसके पिता और चाचा का नाम और धर्म पूछा...यह कायरों द्वारा किया गया हमला है।'' शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह आतंकवादियों और उन्हें समर्थन देने वाले पाकिस्तान को सबक सिखाएंगे। उन्होंने कहा, ''यह खेल पाकिस्तान ने शुरू किया है, लेकिन हमें पूरा भरोसा है कि इसे भारतीय जवान खत्म करेंगे।

अमेठी में दलित युवक की हत्या के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

अमेठी , एजेंसी। अमेठी जिले में पुलिस ने 25 वर्षीय दलित युवक शिवम की हत्या के मामले का मंगलवार को खुलासा करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। शिवम की सोमवार शाम गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस अधिक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि 21 अप्रैल को जामो थाना क्षेत्र के आलम सिंह का पुरवा मजरे कल्याणपुर के निवासी छोटेलाल कोरी ने थाने में दी गयी तहरीर में आरोप लगाया था कि उनके बेटे शिवम कुमार कोरी को रितेश सिंह के मुर्गी फार्म में विकास यादव उर्फ सूरज तथा मान सिंह व दो अज्ञात व्यक्तियों ने गले व सिर पर धारदार हथियार से कई वार करके मार डाला है। उन्होंने बताया कि इस मामले में मान सिंह, विकास यादव उर्फ सूरज व दो अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या), 61(2) (आपराधिक षडयंत्र में शामिल होना) व अनुसूचित जाति-जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की सुसंगत धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। दोनों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है।

हिंदू एक नहीं, चार बच्चे पैदा करें : भाजपा सांसद साक्षी महाराज

उन्नाव, एजेंसी। प्रदेश के उन्नाव से भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने विवादित बयान दिया। उन्होंने हिंदुओं से चार बच्चे पैदा करने की अपील की। सांसद साक्षी महाराज ने कहा कि हिंदू एक नहीं, चार बच्चे पैदा करें। भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मैंने बहुत पहले जनवरी में मेरठ में कहा था कि जनसंख?या का संतुलन नहीं बिगड़ना चाहिए, इसलिए या तो हम दो, हमारे दो के लिए कानून बनाया जाना चाहिए और अगर ऐसा नहीं होता है, तो हिंदुओं को तीन नहीं, बल्कि चार बच्चे पैदा करने चाहिए। साक्षी महाराज ने मुर्शिदाबाद में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। ममता सरकार द्वारा की गई जांच में भी अब यह स्पष्ट रूप से सामने आ गया है कि हिंदुओं के साथ बहुत बड़ा अन्याय हुआ, उन्हें वहां से भगाया गया। मुर्शिदाबाद की स्थिति स्पष्ट है। इस मामले में भारत सरकार और सुप्रीम कोर्ट को फैसला लेना होगा। साक्षी महाराज ने अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव किसी भी दल के साथ चुनाव लड़ लें, लेकिन मैं उनको बता देना चाहता हूं कि भाजपा थी।

विंग कमांडर के साथ मारपीट के मामले ने पकड़ा तूल

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु में एक स्थानीय निवासी और भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी के बीच हुई रोड रेज की घटना पर टिप्पणी की, जिसके परिणामस्वरूप शारीरिक झड़प हुई और दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गईं। सिद्धारमैया ने कर्नाटक के लोगों और उनके समावेशी मूल्यों का बचाव करते हुए एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में लिखा कन्नड़ लोगों को अपनी मातृभाषा पर गर्व है, लेकिन वे संकीर्ण या असहिष्णु नहीं हैं। भाषाई मामलों पर दूसरों पर हमला करना या उन्हें गाली देना हमारी संस्कृति में नहीं है।

सोमवार की सुबह हुई यह घटना तब प्रकाश में आई जब विंग कमांडर शिलादित्य बोस ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया कि उन पर एक बाइक सवार ने हमला किया, जिसकी बाद में पहचान कॉल सेंटर कर्मचारी विकास कुमार के रूप में हुई, जबकि बोस और उनकी पत्नी मधुमिता हवाई अड्डे की बस पकड़ने जा रहे थे। वीडियो में, खून से लथपथ बोस ने आरोप लगाया कि कुमार ने उन पर और उनकी पत्नी पर हमला किया और उन्हें कन्नड़ में गाली दी। बोस ने यह भी कहा कि हमले में अन्य लोग भी शामिल थे। उसी वीडियो में उन्होंने कहा कि उन्हें कर्नाटक और कन्नड़ लोगों की समावेशिता पर भरोसा नहीं रहा।

हालांकि, सीसीटीवी फुटेज में एक अलग एंगल सामने आया जिसमें बोस को हमलावर के रूप में देखा गया। सीसीटीवी फुटेज की खोज के बाद कुमार ने एक जवाबी शिकायत दर्ज की जिसके आधार पर बोस पर हत्या के प्रयास का आरोप लगाया गया। सिद्धारमैया ने इस घटना पर ध्यान देते हुए अपने पोस्ट में कहा कि कर्नाटक में लंबे समय से देश भर के लोगों को गले लगाने, उनके साथ सम्मान से पेश आने और उन्हें अपने लोगों में से एक के रूप में स्वीकार करने की गौरवशाली परंपरा रही है। इस भूमि की समावेशी भावना इतिहास में अच्छी तरह से प्रलेखित है। मुख्यमंत्री ने घटना की कवरेज के लिए राष्ट्रीय मीडिया के कुछ हिस्सों की कड़ी आलोचना की। यह बेहद खेदजनक है कि कुछ राष्ट्रीय मीडिया आउटलेट्स ने अपनी जिम्मेदारी और पेशेवर नैतिकता की उपेक्षा करते हुए एक व्यक्ति द्वारा लगाए गए निराधार आरोप को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया है, जिससे पूरे राज्य की गरिमा पर दाग लगा है। इससे हर कन्नड़ व्यक्ति को दुख और पीड़ा हुई है।

उन्होंने आगे कहा कि घटना के संबंध में मैंने पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया है कि वे इसमें शामिल व्यक्तियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करें, चाहे वे किसी भी पद या रैंक के हों। राज्य सरकार इस मामले को अत्यंत गंभीरता से ले रही है और पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मई में खुलेगा ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के पहले चरण का टेंडर

गुरुग्राम एजेंसी। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के पहले चरण का टेंडर एक मई को खुलेगा। गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) ने टेंडर की समयावधि को बढ़ा दिया है। इस टेंडर को मंगलवार शाम को खोला जाना था। गत आठ मार्च को जीएमआरएल ने ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के तहत मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से लेकर सेक्टर-नौ तक होते हुए सेक्टर-101 तक मेट्रो निर्माण के लिए टेंडर आमंत्रित किए थे। इस टेंडर के तहत 22 अप्रैल तक आवेदन भरना था। करीब 14.5 किलोमीटर लंबे इस पहले चरण के तहत कई बड़ी कंपनियों की तरफ से प्री-बिड में सवाल किए हैं।

इन सवालों के जवाब को तैयार करने में समय लग गया। ऐसे में इस टेंडर की समयावधि को बढ़ाकर एक मई कर दिया है। पहले चरण के तहत 1286 करोड़ रुपये मेट्रो निर्माण पर खर्च किए जाएंगे। बता दें कि 28.5 किमी लंबे मेट्रो रूट के तहत 27 स्टेशन का निर्माण होना है। इसके निर्माण पर करीब 5452 करोड़ रुपये का खर्चा आएगा।

पहले चरण के मेट्रो रूट में बख्तावर चौक पर अंडरपास आ रहा है। इसका निर्माण जीएमआरएल से करवाने का फैसला लिया है। दूसरे चरण में पांच अंडरपास तैयार होने हैं। इनमें एक चिंतपूर्णी मंदिर के समीप, दूसरा सेक्टर-तीन और पांच की मुख्य सड़क पर शीतला माता मंदिर की तरफ, तीसरा कृष्णा चौक पर बजघेड़ा से लेकर सेक्टर-पांच की तरफ, चौथा रेजांगला चौक पर और पांचवां अंडरपास पालम विहार रोड और ओल्ड दिल्ली रोड की कनेक्टीविटी पर तैयार किया जाएगा। जीएमआरएल की तरफ से तीन चरण में मेट्रो को तैयार किया जाएगा। पहले चरण में मिलेनियम सिटी सेंटर से लेकर सेक्टर-नौ और सेक्टर-101 तक मेट्रो का निर्माण होगा, दूसरे चरण में सेक्टर-नौ से लेकर डीएलएफ साइबर सिटी तक मेट्रो का निर्माण किया जाएगा। तीसरे चरण में मेट्रो डिपो का निर्माण होगा। मेट्रो डिपो को लेकर अभी तक जीएमआरएल को जमीन नहीं मिली है।

देश के पूर्वी हिस्से से जुड़ेगा एनसीआर बोड़ाकी स्टेशन पर दौड़ेगी वंदे भारत सहित 100 ट्रेने; बनेंगे 12 प्लेटफॉर्म

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के बोड़ाकी में एक रेलवे स्टेशन बनने वाला है जो एनसीआर को देश के पूर्वी हिस्से से जोड़ेगा। इसे ग्रेटर नोएडा टर्मिनल कहा जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि यह उत्तर भारत के सबसे आधुनिक हब में से एक हो सकता है। जिसपर वंदे भारत और अन्य प्रीमियम एक्सप्रेस सहित 100 ट्रेनों को चलाया जा सकता है। 176 हेक्टेयर के बड़े मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के अंदर 46 हेक्टेयर में फैले इस स्टेशन में व्यापक रखरखाव कार्यों के लिए 12 प्लेटफॉर्म और 63 यार्ड लाइनें होंगी। जबकि ग्राउंड फ्लोर पर रेलवे ऑपरेशन होंगे, ऊपर की मंजिलों में कमर्शियल स्पेस होंगे, जिसमें मिश्रित उपयोग वाला विकास होगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पूरक के रूप में - जहां कुछ महीनों बाद परिचालन शुरू होने वाला है। उससे एक घंटे से भी कम की दूरी पर स्थित यह स्टेशन, दिल्ली-एनसीआर और पूर्वी भारत के बीच कनेक्टिविटी में मदद करेगा। ट्रांसपोर्ट हब, जिसका ग्रेटर नोएडा टर्मिनल एक हिस्सा होगा। यह एक अंतर-राज्यीय बस स्टैंड, एक स्थानीय बस टर्मिनल और डिपो स्टेशन को बोडाकी से जोड़ने वाले मेट्रो कॉरिडोर को एकीकृत करेगा, जो ग्रेटर नोएडा, नोएडा और एनसीआर शहरों के यात्रियों के लिए एक कनवर्जेंस पाइंट होगा। इसके डिजाइन में किए बदलावों के बाद परियोजना का दायरा शुरुआती अवधारणा के बाद से काफी बदल गया है। इसके लिए पहले 1,850 करोड़ रुपये मंजूर किए गए थे। टीओआई कोअधिकारियों ने बताया कि इसकी बढ़ी हुई क्षमताओं के साथ बजट के दोगुना होने की उम्मीद है। ग्रेटर नोएडा टर्मिनल चालू होने पर, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और अन्य एनसीआर शहरों से पूर्व की ओर जाने वाले यात्री यातायात को कम करेगा।

गुरूग्राम के 70 फीसदी निजी स्कूलों में आग से बचने का कोई इंतजाम नहीं

गुरूग्राम, एजेंसी। बढ़ती गर्मी से जिले में आगजनी की घटनाएं होने के बाद भी निजी स्कूलों से लेकर कोचिंग सेंटरों में आग से बचाव के इंतजाम नहीं है। 70 प्रतिशत ऐसे स्कूल हैं,जिनमें फायर से जुड़े उपकरण नहीं लगे हैं। 30 प्रतिशत स्कूलों की ओर से फायर एनओसी है। वहीं, निजी स्कूलों में सुरक्षा नीति नहीं लागू होने से सुरक्षा को लेकर खतरा बढ़ गया है। इसको लेकर अभिभावको को चिंता है। फायर विभाग के अनुसार गुरुग्राम में 527 निजी स्कूल संचालित होते हैं।

इसमें अधिकांश स्कूलों के पास बिल्डिंग प्लान मंजूर कराए बिना इमारत बनाई है। इसमें स्कूल संचालित करते है। स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा के मानक पूरे नहीं हैं, इनके अंदर भी कोई आग से हादसा होता है तो गंभीर परिणाम सामने आएंगे। क्योंकि ये बहुमंजिला इलाकों में काफी संकरी और तंग जगहों में चल रहे हैं, जहां न तो आपात काल में निकासी का कोई रास्ता है,न आग से बचाव के कोई प्रबंध किए गए है।

आठ साल पहले शिक्षा विभाग की ओर से स्कूलों में आगजनी की घटना को लेकर छात्रों की सुरक्षा के लिए नीति बनाई थी। इसमें छात्रों की सुरक्षा के लिए स्कूल की नीति में स्कूल परिसर को सुरक्षित रखना, छात्रों को विभिन्न खतरों के बारे में शिक्षित करना और आपातकालीन स्थिति में उचित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना शामिल है। शहर के रेलवे रोड, सेक्टर-14 समेत कई स्थानों पर चल रहे कोचिंग सेंटरों में भी कोई इंतजाम नहीं हैं।

कोचिंग सेंटर में बच्चों की सुरक्षा के लिए नियम लागू नहीं किए जा रहें हैं। यहां न तो आपातकाल में के समय बाहर निकलने का कोई रास्ता है और न आग से बचाव के कोई इंतजाम किए गए। अभिभावक अम्बरीश रंजन ने कहा कि बच्चे के स्कूल में न कभी फायर सेफ्टी के बारे में सुना और न कभी स्कूल ने मॉक ड्रिल की कोई जानकारी दी गई। सचिन गुप्ता ने कहा कि गुरुग्राम के स्कूलों में फायर उपकरण कभी नहीं देखा गया। अग्नि निकास, दिव्यांगों के लिए मार्ग (व्हील चेयर) आदि शामिल हैं। अग्निशमन विभाग के अनुसार बच्चों का जमावड़ा बेसमेंट में नहीं हो सकता। लोकेश यादव ने कहा कि निजी स्कूलों में आग सुरक्षा के मानकों को बेहतर बनाने के लिए सरकार, स्कूलों और फायर विभाग को सख्त निर्णय लेने चाहिए। बच्चे के स्कूल में भी आग सुरक्षा के इंतजाम अपर्याप्त हैं। बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्राथमिकता हो।

ऑल इंडिया पैरेंट्स संस्थापक प्रदीप रावत ने कहा कि हर स्कूल में फायर सेफ्टी उपकरण होना और चालू हालत में होना अति आवश्यक है। आखिर बच्चों की सुरक्षा का सवाल है। दिल्ली एनसीआर में कई स्कूल फायर मॉक ड्रिल करते भी हैं, लेकिन सब स्कूल नहीं करते हैं। प्रशाशन सुनिश्चित करें कि ये जिम्मेदारी स्कूल ठीक से निभाएं।

देश गलत दिशा में जा रहा, विपक्षी नेताओं को दुश्मन समझ रहे: अशोक गहलोत

शिमला, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'नेशनल हेराल्ड' मामले में मंगलवार को गांधी परिवार का जोरदार समर्थन करते हुए कहा कि इससे किसी को कोई व्यक्तिगत लाभ नहीं हुआ। गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह जांच एजेंसियों का दबाव बनाकर गांधी-नेहरू परिवार को निशाना बना रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह बात शिमला में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कही, उन्होंने कहा 'नेशनल हेराल्ड' की सभी संपत्तियां एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड के नियंत्रण में हैं और यंग इंडिया नाम के एक गैर-लाभकारी संगठन के माध्यम से इसकी देनदारियों को चुकाने का प्रयास किया जा रहा है। गहलोत ने कहा कि देश गलत दिशा में जा रहा है, विपक्षी नेताओं के साथ 'दुश्मनों' जैसा व्यवहार किया जा रहा है और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग व केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर उन्हें (विपक्षी नेताओं को) निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नौ साल पुराने 'नेशनल हेराल्ड' मामले को अब बदला लेने के लिए उठाया जा रहा है।

गहलोत ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी को खत्म करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'कांग्रेस मुक्त भारत' की बात कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस देश की 'विरासत' है और इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि गांधी परिवार ने मोतीलाल नेहरू और जवाहरलाल नेहरू के समय से लेकर आज तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन पार्टी के सदस्यों को विशेष रूप से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 35 वर्ष में गांधी परिवार के किसी भी सदस्य ने सरकार में कोई पद नहीं संभाला है। गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री पद की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया और मनमोहन सिंह को इस प्रतिष्ठित पद पर नियुक्त किया। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कथित अनियमितताओं पर चिंता व्यक्त की और आरोप लगाया कि विपक्ष, खासकर राहुल गांधी की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि चुनावी बॉण्ड की शुरूआत से चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को नुकसान पहुंचा है।

शादी का दबाव बनाया तो प्रेमी ने पत्थर से कुचला; 2 बच्चों की मां की खाली प्लाट में मिली लाश

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां लोकल क्लब में काम करने वाली एक महिला की लाश खाली प्लाट में पड़ी मिली तो चारो तरफ कोहराम मच गया। घटना की छानबीन हुई तो हत्या करने वाला शख्स महिला का प्रेमी निकला। आरोपी अभिषेक मिश्रा ने पत्थर से कुचलकर दो बच्चों की मां को मौत के घाट उतारा और खाली प्लाट में फेंककर फरार हो गया।

एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि स्थानीय क्लब में काम करने वाली महिला रूपाली (30) का शव रविवार को सेक्टर 83 के खाली प्लाट में पड़ा मिला तो चारो तरफ हड़कंप मच गया। प्लाट में लाश पड़ी होने की सूचना पुलिस को मिली तो मौके पर पहुंचकर लाश को बरामद किया गया और जांच शुरू हुई।

जांच में सामने आया है कि महिला अपने 2 बच्चों के साथ चक्करपुर गांव में किराए के मकान में रहती थी। उसका अभिषेक मिश्रा नामक युवक के साथ प्रेम संबंध भी था। 25 वर्षीय अभिषेक मिश्रा बिहार का रहने वाला है और दिल्ली के राजोकरी इलाके में रहता था। वह 30 वर्षीय रूपाली के साथ रिलेशनशिप में था। सिही गांव से गिरफ्तार किया गया। गुरुग्राम पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि महिला उस पर शादी के लिए दबाव बना रही थी। उसके लगातार दबाव से तंग आकर उसने महिला की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी और शव को खाली प्लॉट में फेंक दिया।

मुजफ्फरनगर दंगा: सुबूतों के अभाव में 16 आरोपी बरी

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। मुजफ्फरनगर की एक अदालत ने मंगलवार को 2013 में जिले में हुए दंगों के मामले में 16 आरोपियों को सुबूतों के अभाव में बरी कर दिया। अपर जिला न्यायाधीश (त्वरित सुनवाई अदालत) निशांत सिंगला ने 18 अप्रैल को सभी 16 आरोपियों को यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष अपने आरोप साबित करने में विफल रहा है। विशेष शासकीय अधिवक्ता नरेंद्र शर्मा ने बताया कि एसआईटी ने नगला बजुर्ग गांव के निवासी 16 आरोपियों नजर मोहम्मद, कासिम, जहीर, गयूर, मीर हसन, खालिद, गुलशेर, शमशाद, मुस्तफा, जानमोहम्मद, असगर, फारुख, अनवर, जान मोहम्मद, जावेद, मोहम्मद अय्यूब के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया था। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया था कि आरोपियों ने 2013 में जिले के भोपा थाना क्षेत्र के नगला बुजुर्ग के पास अपने गांव भोकाहेड़ी में नगला मदोर में एक पंचायत में भाग लेने के बाद लौट रहे सोहनवीर सिंह सहित कई लोगों की ट्रैक्टर-ट्रॉली पर धारदार हथियारों और लाठियों से हमला किया था जिसमें सोहनवीर सिंह की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। सोहनवीर सिंह के बेटे जोगेंद्र सिंह ने भोपा थाने में मामला दर्ज कराया था। सितंबर 2013 में मुजफ्फरनगर में हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान 60 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

लखनऊ में तेज धूप और गर्म हवा से बाहर निकलना हुआ मुश्किल

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ में तेज धूप और गर्म हवा ने लोगों का बाहर निकलना मुश्किल कर दिया। दोपहर में सड़कें तपने लगीं तो कई जगह सन्नाटा पसरा दिखा। वहीं स्कूल की छुट्टी के दौरान बच्चे बेहाल नजर आए। अभिभावक भी इंतजार में छांव की तलाश में दिखे। मंगलवार सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 2.3 डिग्री अधिक था।इस सीजन में अब तक दो बार तापमान 40 डिग्री तक पहुंचा है। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल अगले तीन दिनों तक कोई राहत मिलती नहीं दिख रही है। दिन के साथ रात का तापमान भी ज्यादा रहा। रात का न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.2 डिग्री ज्यादा 25.4 दर्ज किया गया। अमौसी स्थित मौसम केन्द्र के अनुसार आसमान साफ होने की वजह से धूप दिन में धरती की सतह गर्म कर रही है। हवा में भी गर्माहट है जिससे रात में तापमान ज्यादा नीचे नहीं जा रहा है।

ट्रेनों में एसी दगा दे रहे 150 शिकायतें आईं

लगातार बढ़ते तापमान में ट्रेनों की बोगियों में लगा एसी दगा दे रहा है। कूलिंग ठप होने से यात्री पसीने से तरबतर हो रहे हैं। रेल प्रबंधन से शिकायत किए जाने के बाद भी हालात वही हैं। लखनऊ होकर चलने वाली एनईआर और एनआर की विभिन्न ट्रेनों में एसी की कूलिंग ठप होने की 150 से अधिक शिकायतें पिछले एक माह में सामने आई हैं। किराया भरपूर लेने के बावजूद एसी सुविधा न देने से नाराजगी भी बढ़ा रही है। एक माह में अवध-असम, लिच्छवी, बेगमपुरा, हमसफर, गोरखपुर-मुंबई, कोलकाता-जम्मूतवी सहित एक दर्जन से अधिक एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों में कूलिंग कारगर नहीं रहने के मामले सामने आए हैं। दोपहर में सड़कें तपने लगीं तो कई जगह सन्नाटा पसरा दिखा। वहीं स्कूल की छुट्टी के दौरान बच्चे बेहाल नजर आए। अभिभावक भी इंतजार में छांव की तलाश में दिखे। मंगलवार सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 2.3 डिग्री अधिक था।इस सीजन में अब तक दो बार तापमान 40 डिग्री तक पहुंचा है। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल अगले तीन दिनों तक कोई राहत मिलती नहीं दिख रही है। दिन के साथ रात का तापमान भी ज्यादा रहा।

संपादकीय

लगातार विवादों में है ट्रंप का फैसला

अमेरिका में जबसे डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता संभाली है, उनका हर कदम विवादों में घिर जाता है। अभी हावर्ड विश्वविद्यालय का अनुदान रोकने पर विवाद थमा भी न था कि विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के एक हजार से अधिक अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों का वीजा रद्द किए जाने को लेकर नया विवाद छिड़ गया है। इन विद्यार्थियों में हावर्ड, स्टैनफोर्ड , मैरीलैंड और ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी जैसे सार्वजनिक संस्थानों के विद्यार्थी भी शामिल हैं। बहुत सारे विद्यार्थियों का कहना है कि उन्हें गलत तरीके से बाहर निकाला जा रहा है।

उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्रालय की इस कार्रवाई को अदालतों में चुनौती दी है। मगर विदेश मंत्रालय का कहना है कि कानून का उल्लंघन करने वाले विद्यार्थियों को सजा भुगतनी पड़ेगी, उन्हें देश से निकाला जा सकता है। अमेरिकी विदेश विभाग के इस कदम से उन विद्यार्थियों का भविष्य अंधकारमय हो गया है। उन्हें बीच में अपनी पढ़ाई छूटने का भय सताने लगा है। इन विद्यार्थियों में सबसे अधिक संख्या भारतीयों की है, उसके बाद चीनी विद्यार्थियों की संख्या है। शैक्षणिक संस्थानों का कहना है कि कुछ विद्यार्थियों के खिलाफ यातायात उल्लंघन जैसे पुराने मामलों के आधार पर कार्रवाई की गई है, जबकि कुछ विद्यार्थियों ने फिलिस्तीन के समर्थन में हुए आंदोलन में हिस्सा लिया था।

पुराने मामलों को लेकर अमेरिकी प्रशासन कर रही कार्रवाई

सही है कि कोई भी देश बाहरी नागरिकों को इस बात की इजाजत नहीं दे सकता कि वे वहां के नियम-कायदों का उल्लंघन करें। अमेरिकी विदेश

विभाग इस बात को लेकर सख्त है कि बाहरी विद्यार्थी शैक्षणिक संस्थानों के परिसरों तक सीमित रहें और अमेरिकी कानूनों का पालन करें। पहले ही ट्रंप प्रशासन की सख्ती और कटौती के कारण मार्च से अब तक विद्यार्थी वीजा में करीब तीस फीसद की कमी आई है। मगर अब वहां पढ़ने गए विद्यार्थियों के खिलाफ पुराने मामले तलाश कर उन्हें बाहर करने का अभियान चलेगा, तो स्वाभाविक रूप से उनमें भय और अनिश्चितता का वातावरण बनेगा।

भारत आदि देशों से बहुत सारे विद्यार्थी इसलिए अमेरिकी विश्वविद्यालयों और संस्थानों में दाखिला लेते हैं कि वहां पढ़ाई का स्तर बहुत अच्छा है और वहां से डिग्रियां लेकर उन्हें बेहतर नौकरियों के अवसर खुल जाते हैं। मगर ट्रंप प्रशासन की नई नीतियों के कारण बाहरी विद्यार्थियों का प्रवेश काफी कम हो जाएगा। जाहिर है, इससे वहां के संस्थानों पर भी असर पड़ेगा। पहले ही डोनाल्ड ट्रंप एच-1 वीजा पर सख्ती को लेकर विरोध झेल चुके हैं, अब विद्यार्थी वीजा पर भी वैसा ही वातावरण बनता दिखने लगा है।

ऐसा नहीं कि अमेरिकी शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ने गए दूसरे देशों के विद्यार्थी पहले किसी गफलत में या किन्हीं अन्य कारणों से कानूनों का उल्लंघन नहीं कर बैठते थे, पर तब उन्हें इस तरह निर्वासन की धमकी कभी नहीं झेलनी पड़ी। अब जिस तरह उन्हें देश छोड़ने को कहा जा रहा है, उससे ट्रंप प्रशासन की राजनीति ही जाहिर होती है। समान शुल्क संबंधी नीति के चलते ट्रंप अभी गंभीर विवादों में घिरे हुए हैं, जिसे लेकर खुद अमेरिकी लोग सड़कों पर उतर चुके हैं। दुनिया में शायद ही ऐसा कोई शासक हो, जिसे इस तरह अपने हर फैसले पर विरोध का सामना करना पड़ा हो। मगर ट्रंप अब भी शायद थोड़ा ठहर कर विचार करने और फिर आगे बढ़ने के सिद्धांत पर अमल करते नजर नहीं आ रहे। लोकतंत्र में जब भी एक व्यक्ति के मनमाने फैसले सब पर थोपे जाने लगते हैं, तो इसी तरह विवाद पैदा होते हैं।

नजला जुकाम खांसी

मीन अग्रवाल

नेचुरोपैथी

आप सभी देख रहे हैं घर-घर में कोई ना कोई व्यक्ति आजकल खांसी जुकाम से पीड़ित है सभी जगह बुखार भी फैला हुआ है मैंने लोगों के अनुरोध को नजर अंदाज ना करते हुए खांसी जुकाम पर के बारे में आर्टिकल देने के लिए सोचा।

नाक के रास्ते पतले कब निकलने को नजला जुकाम रहती है इसमें आंख लाल कला खराब तथा सिर भारी रहता है जो कुछ भी हम कहते हैं उसकी पाचन क्रिया पुरी होने के बाद बने रक्त का ऑक्सीजनकरण

होता है। नाक के द्वारा पूरा ऑक्सीजन न मिलने से यह क्रिया पूरी नहीं हो पाती और रक्त में आवश्यक गर्मी ना आने से यह रोग होता है जिससे खाया पिया नजले जुकाम के रूप में बाहर निकलता है।

कारण पूरा खास ना लेना नाक का खुला ना रहना मुख से सांस लेने की आदत बैंड जगह पर रहना सुबह शहर व्यायाम न करने आदि के कारण पर्याप्त ऑक्सीजन फेफड़ों को नहीं मिल पाती जिससे इस रोग की स्थिति बनती है इस बीमारी से नाक से सोने की शक्ति तथा जुबान का स्वाद भी पता नहीं चलता तीन-चार दिनों के बाद बलगम गाड़ा हो जाता है और फिर हल्की खांसी छिन्को के साथ निकलती है।। गलत खानपान पेट का ठीक ना रहना कब्ज मैदे की अव्य कफ तथा वायु कारक वस्तुओं का प्रयोग शरीर से पसीना ना निकालना शरीर की आवश्यकता अनुसार गम ना रखने आदि अनेक कारण इस रोग के होते हैं। यदि नजले जुकाम की स्थिति बनी रहे तो आंखें भी कमजोर हो जाती है कानों से कम सुनाई पड़ने लगता है बाल सफेद जल्दी होने लगते हैं तथा झंडा भी लगते हैं इसके बिगड़ने से दमा तपेदिक ब्रोंकाइटिस टीवी आदि कहीं भयंकर रोग हो जाते हैं जो मौत तक का कारण बन सकते हैं ।

शुरू शुरू में नजला जुकाम स्वत तीन-चार दिनों में ठीक हो जाता है केवल भोजन छोड़ देने तथा थोड़ा गर्म पानी नींबू के साथ लेने से आराम करने से ही ठीक हो जाता है जुकाम लगा प्राकृतिक की एक चेतावनी है शरीर में विकार इकट्ठे हो रहे हैं प्राकृतिक इन छोटे-छोटे रोगों बुखार 10 नजला जुकाम फोडे बलगम शरीर से विकार निकालना चाहती है। ऐसे लोगों से संभल जाना परहेज में रहना और आगे से अपने रहन-सहन खान पान को बदलकर गलती को सुधार लेना चाहिए अन्यथा यह रोग बहुत सी बीमारियों को जन्म देते थे।

उपचारः- नेति की आदत डालकर नजला जुकाम से बचा जा सकता है। सूत्र तथा जल नेति दोनों ही करनी चाहिए इसके बाद प्राणायाम के तीनों व्यायाम करना और दिन में एक दो बार सफेद के पत्तों की भाप लेना इसका उपचार है।

यदि पेट साफ ना हो तो एनिमल लेना चाहिए दिन में एक बार और एक दिन छोड़कर गरम पांव का स्नान कर लेने से भी छाती साफ हो जाती है वह जुकाम ठीक हो जाता है। योगासनों में सूर्य नमस्कार धनुरासन हलासन तथा भत्स्यासन को प्रतिदिन अभ्यास करना चाहिए। छाती तथा पीठ पर धूप से मालिश तथा दोनों जगह थपकी देने से छाती खुलती है। धूप में मालिश के बाद स्नान कर ले आपको धूप से विटामिन डी भी मिलता है।

आहारः- तीन दिनों में चार बार गर्म पानी नींबू तथा मधु का उपयोग करें। मधुसुद्ध इसी से जुकाम ठीक हो जाएगा या 7 दिन इसके साथ फलवा सब्जी का रस तथा सब्जी का सूप पीने से लाभ मिलेगा।

दिन में दो बार अदरक इलायची काली मिर्च अजवाइन चाय में डाल कर ले जूस शॉप तथा इसकी चाय की खुराक दिन में 6 से 8 बार ले। इससे पूरी बॉडी में बदलाव होगा उसके बाद एक समय सादा भोजन दूसरे समय फल सब्जियों का सूप सुबह-शाम अदरक की चाय ले। एक माह तक करें इस खान-पांच से एक दो वर्ष तक हर प्रकार के रोगों से बचे रहेंगे यदि खांसी अधिक हो तो अदरक का रस में थोड़ा मधु मिलाकर दिन में दो बार ले। तथा मुलेठी चूसे। उसे रोक ठीक हो जाएगा बहुत ज्यादा खांसी हो तो 40 से 50 से लगातार रहे तो चेस्ट का -फ्अ करवा सितोपलादि चूर्ण का सेवन करें।

पहलगाम पर्यटक हमला-35 में वर्षों पहली बार कश्मीर भी आतंकवाद के खिलाफ रोड पर उतरा- इंडियन आर्मी जिंदाबाद, हम हिंदुस्तानी है हिंदुस्तान हमारा है के नारे लगे

सांई मीडिया ब्यूरो

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर आतंकवाद आज हर देश के लिए सर दर्द बना हुआ है, परंतु इसका स्थाई समाधान दशकों से नहीं निकल पा रहा है। यही समस्या भारत के लिए भी दशकों से बनी हुई है,परंतु अगर मजबूत इरादे हो व संकल्पों को क्रियान्वयन करने का हौसला हो तो कुछ असंभव नहीं है, इसी फार्मूले पर चलकर भारत ने नक्सलवाद माओवाद को 31 मार्च 2026 तक जड़ से समाप्त करने की डेड लाइन दी है, इस क्रिया से रिएक्शन ऐसा हो रहा है कि लाखों रुपए के इनामी खूंखार नक्सली सरेंडर कर रहे हैं या फिर मुठभेड़ में मारे जा रहे हैं क्योंकि स्थानीय लोगों का साथ शासन प्रशासन को मिल रहा है। यह चर्चा आज हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 22 अप्रैल 2025 को जो पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादियों द्वारा हमला कर 27 सैलानियों को गोलियां चलाकर मार डाला गया है, यह घटना कश्मीर वासियों खासकर पहलगाम वासियों को नागवार गुजरी है और 35 वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ है कि इस घटना के विरोध में करीब करीब सभी पक्षों, संगठनों, कश्मीरीयों लोकल निवासियों द्वारा 23 अप्रैल 2025 को बंद का आह्वान किया गया था यहां तक कि मस्जिदों के लाउडस्पीकर से भी बार-बार बंद में शामिल होने की गुजारिश है की जा रही थी, ऐसा प्रोटेस्ट का माहौल मैंने अपने 40 वर्षों के आर्टिकल लेखन द्वारा मीडिया से जुड़े अपने करियर में कभी नहीं देखा। कश्मीर घाटी में हमले तो आनेकों हुए हैं परंतु उस क्षेत्र के लोकल निवासियों का ऐसा प्रोटेस्ट मैंने कभी नहीं देखा। कश्मीर लालचौक निवासी प्रसिद्ध प्रिंट व डिजिटल मीडिया सीएनएन के चीफ एडिटर व मेरे परम मित्र राशिद भाई जो प्रिंट इलेक्ट्रानिक मीडिया का अच्छा अनुभव भी रखते हैं उनसे मैंने मोबाइल फोन पर बातचीत कर इस घटना के संबंध में जानकारी मांगी तो उन्होंने मुझे अनेकों वीडियो क्लिप भेजी जिसमें पहलगाम के लोकल निवासी इस घटना के विरोध में जोर-शोर से प्रोटेस्ट कर रहे हैं उन क्लिपों में हम हिंदुस्तानी हैं, हिंदुस्तान हमारा है व इंडियन आर्मी जिंदाबाद इत्यादि अनेकों नारे आसानी से सुनें जा सकते हैं। राशिद भाई ने बताया कि यहां इस घटना से नागरिकों में काफी रोष भरा है, क्योंकि उनका रोजगार सैलानियों से जुड़ा है, इस तरह वहां के सीएम तथाविपक्षी नेताओं ने भी इस बारे में सरकार को पूरा सहयोग देने व घटना का जोरदार विरोध किया है व अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की बात कही है,तो उधर केंद्र स्तर पर भी पूरे विपक्ष ने एकजुट होकर इस घटना की जोरदार भर्टस्ना की है, व दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की बात कही है। मेरा मानना है कि अगर पूरे कश्मीर के निवासी, भारत सरकार, इंडियन आर्मी व दुनियाँ के सभी देश एक साथ हो जाएं तो आतंकवाद बच नहीं सकता,उसका भी डेडलाइन नक्सलवाद समाप्ति की तरह 31 मार्च 2026 निर्धारित किया जा सकता है। चूँकि दहशतगर्दी के विरोध में पूरा कश्मीर बंद सफल हुआ पहलगाम वासी सड़कों पर उतरे तथा विरोध प्रदर्शन किया, मस्जिदों से भी लाउडस्पीकरों से बंद में शामिल होने की अपील की गई तथा 35 वर्षों में पहली बार कश्मीर भी आतंकवाद के खिलाफ रोड पर उतरा व इंडियन आर्मी जिंदाबाद,हम हिंदुस्तानी है हिंदुस्तान हमारा है,के नारे लगे इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, कश्मीर वासियों का साथ, पूरी दुनियाँ का हाथ, भारत कीएक्शन पर तुरंत रिएक्शन की रणनीति लगातार चली तो, नक्सलवाद की तरह आतंकवाद पर भी डेड लाइन 31 मार्च 2026 घोषित होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

साथियों बात अगर हम 35 वर्षों में पहली बार कश्मीर वासियों का आतंकवाद के खिलाफ रोडपर उतरने प्रोत्सट करने की करें तो, श्रीनगर से दिल्ली तक हलचल के बीच कश्मीर घाटी भी इस आतंकी वारदात के खिलाफ खड़ी नजर आ रही है, इस जघन्य आतंकी वारदात के खिलाफ पहलगाम समेत कश्मीर के कई इलाकों में लोग प्रदर्शन करते नजर आए,ऐसा पहली बार है, जब कश्मीर के लोग आतंकियों के खिला खुलकर बोल रहे हैं, सत्ताधारी और विपक्षी, सभी दल इस वारदात के विरोध में एकजुट हो गए हैं तो वहीं हुर्रियत कॉन्फ्रेंस जैसा संगठन भी घाटी बंद का आह्वान कर रहा है। एक प्रमुख अंग्रेजी समाचार पत्र ने पहले पन्ने पर संपादकीय टिप्पणी में लिखा है कि यह जघन्य वारदात न सिर्फ निर्दोष लोगों पर हमला है,बल्कि कश्मीरकी पहचानऔर मूल्य,इसकेआतिथ्य,अर्थव्यवस्था और शांति पर किया गया प्रहार भी है। कश्मीर की आत्मा इस क्रूरता की निंदा करती है और पीड़ितों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करती है। (1) आतंकी घटना के खिलाफ बंद- पहलगाम हमले के खिलाफ घाटी बंद के आह्वान को आम जनता के साथ ही अलग-अलग राजनीतिक दलों, धार्मिक और व्यापारिक संगठनों और यहां तक कि अलगाववादी छवि वाले नेताओं ने भी समर्थन दिया है, सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस, विपक्षी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), पीपुल्स पार्टी, अपनी पार्टी समेत घाटी की सियासत में मजबूत मौजूदगी रखने वाली पार्टियों ने घाटी बंद का समर्थन किया है। घाटी बंद के आह्वान को हुर्रियत कॉन्फ्रेंस और इसके अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक का भी समर्थन मिला है।(2) उलेमा संगठन और हुर्रियत भी बंद के साथ धार्मिक निकायों के संगठन मुत्ताहिदा मजलिस उलेमा ने भी बंद का समर्थन करते हुए लोगों से आह्वान किया है कि घाटी बंद को सफल बनाकर इस जघन्य वारदात के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराएं। मीरवाइज उमर फारूक ने इस आतंकी वारदात में मारे गए लोगों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा है कि जम्मू कश्मीर की इस्लामी बिरादरी शोक संतप्त परिजनों के साथ है,उन्होंने लोगों से शांतिपूर्ण विरोध का भी आह्वान किया (3) पीड़ितों की मदद के लिए बढ़े हाथ-जम्मू कश्मीर के लोगों ने भी इस घटना के बाद पीड़ितों की मदद के लिए हाथ बढ़ाए। पहलगाम की घटना के बाद टूरिस्ट टैक्सी स्टैंड यूनियन ने देर रात तक स्टैंड खोले रखा जो अमूमन छह से सात बजे तक खुले रखा. टूरिस्ट टैक्सी स्टैंड यूनियन से जुड़े लोग देर रात तक टैक्सी स्टैंड पर जमे रहे, वीडियो जारी करके भी टैक्सी यूनियन ने 24 घंटे मदद के लिए तैयार रहने की बात कही-टैक्सी

यूनियन की ओर से ये भी कहा गया कि पर्यटकों को गाड़ियों की जरूरत हो, पैसे की जरूरत हो, अपनों से बात करने के लिए मोबाइल फोन की जरूरत हो, रुकने के इंतजाम की जरूरत हो या घायलों के लिए खून की जरूरत हो, हमसे संपर्क कर सकता है। टैक्सी यूनियन की ओर से इसके लिए नंबर भी जारी किए गए (4)- समाचार पत्रों ने काले रंग में छापे पहले पन्ने कश्मीर घाटी के कई प्रमुख समाचार पत्रों ने अपना पहला पन्ना काले रंग में छापकर पहलगाम की आतंकी घटना के खिलाफ अपना विरोध जाहिर किया. समाचार पत्रों ने काले पन्ने पर शीर्षक के लिए लिए लाल और सफेद रंग का इस्तेमाल किया. ग्रेटर कश्मीर, राइजिंग कश्मीर, कश्मीर उज्मा, आफताब, तैमील इरशाद जैसे अंग्रेजी और उर्दू के प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों ने अपने फॉर्मेट में भी बदलाव किया।आतंकी वारदात के खिलाफ पहलगाम से श्रीनगर तक दुकानें और पेट्रोल पंप बंद हैं,अधिकारियों के मुताबिक,पिछले 35 साल में पहली बार किसीआतंकी वारदात के खिलाफ कश्मीर की अवाम ने घाटी बंद का आह्वान किया है,पहलगाम अटैक पर कश्मीर कारिएक्शन इस बार अलग बताया जा रहा है और कुछ बातें पहली बार दिख रही हैं।

साथियों बात अगर हम पहलगाम में बाजारें बंद और प्रोटेस्ट की करें तो, 35 वर्षों में पहली बार आज कश्मीर पूरी तरह से बंद है। मस्जिदों में लगे लाउडस्पीकरों से लोगों से बंद में शामिल होने की अपील हो रही है और लोग खुद हमले के खिलाफ सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। किसी आतंकी हमले पर 35 सालों में पहली बार कश्मीर उठ खड़ा हुआ है, एकजुट होकर विरोध कर रहा है। पहलगाम में, बाजार पूरी तरह से बंद हैं,आतंकी हमले में मारे गए 26 निर्दोष लोगों में सैयद आदिल हुसैन शाह भी शामिल है, जो पर्यटकों को घुड़सवारी कराता था और जब उसने हत्यारों का सामना करने की कोशिश की तो उसे गोली मार दी गई। मैं भारतीय हूं के नारे-दुकानदारों और होटल व्यवसायियों ने आज पहलगाम में विरोध मार्च निकाला और"हिंदुस्तान जिंदाबाद" और "मैं भारतीय हूं" के नारे लगाए। उन्होंने कहा कि वे अभी भी वहां फंसे पर्यटकों को हर तरह की सहायता प्रदान करेंगे, जिसमें 15 दिनों के लिए फ्री में रहने की व्यवस्था भी शामिल है। घाटी में आतंकवाद के साथ लंबे संघर्ष के बाद शांति आई थी और पिछले कुछ सालों में पर्यटकों की भीड़ उमड़ रही थी, यह हमला शायद समय को पीछे ले जाएगा।

साथियों बात अगर हम कश्मीर के नेताओं द्वारा हमले की निंदा की करें तो,जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने इस हमले को "घृणास्पद" बताया है. उन्होंने कल हमले की खबर आने के बाद एक्स पर पोस्ट किया,मैं इस बात पर विश्वास नहीं कर सकता, हमारे यहां आए मेहमानों पर हमला एक घृणित घटना है,इस हमलेके अपराधी जानवर, अमानवीय और घृणा के पात्र हैं। निंदा के लिए कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है. मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर बुधवार को देशवासियों से माफी मांगी। महबूबा के नेतृत्व में पीडीपी नेता एवं कार्यकर्ता श्रीनगर में शेर-ए-कश्मीर पार्क के पास पार्टी मुख्यालय में एकत्र हुए और वहां से विरोध मार्च की शुरूआत की। प्रदर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में महबूबा ने कहा,यह हमला सिर्फ मासूम पर्यटकों पर नहीं, बल्कि कश्मीरियत पर भी था. मैं देशवासियों से कहना चाहती हूं कि हम शर्मिंदा हैं. कश्मीरियों का दिल दुखी है और हम दुख की इस घड़ी में आपके साथ खड़े हैं, हम सरकार से मांग करते हैं कि दोषियों को जल्द से जल्द सजा दी जाए। यह हम पर हमला था, हम इसकी निंदा करते हैं और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. गृह मंत्री यहां हैं और उन्हें इस हमले में शामिल आतंकवादियों का पता लगाना चाहिए, ताकि उन्हें जल्द से जल्द सजा दिलाई जा सके।

साथियों बात अगर हम 23 अप्रैल 2025 को देर शाम समाप्त हुई सुरक्षा कैबिनेट कमेटी (सीसीएस) द्वारा लिए गए निर्णयों की करें तो पीएम की अध्यक्षता में बुधवार शाम सुरक्षा पर सीसीएस की बैठक हुई। सीसीएस को 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक मारे गए थे। कई अन्य घायल हुए थे। सीसीएस ने हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा व्यक्त की। इस आतंकवादी हमले की गंभीरता को समझते हुए, सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने निम्नलिखित उपायों पर निर्णय लिए गए-(1)1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित रखा जाएगा, जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को त्याग नहीं देता। (2) एकीकृत चेकपोस्ट अटारी को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया जाएगा। जो लोग वैध अनुमोदन के साथ सीमा पार कर चुके हैं, वे 1 मई 2025 से पहले उस मार्ग से वापस आ सकते हैं।(3) पाकिस्तानी नागरिकों को (एसएएआरसी) वीजा छूट योजना वीजा के तहत भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पाकिस्तानी नागरिकों को अतीत में जारी किए गए किसी भी एसवीईएस वीजा को रद्द माना जाएगा। एसवीईएस वीजा के तहत भारत में मौजूद किसी भी पाकिस्तानी नागरिक के पास भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे हैं। (4) नई दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति घोषित किया जाता है। उनके पास भारत छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय है। (5) भारत इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से अपने रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को वापस बुलाएगा। संबंधित उच्चायोगों में ये पद निरस्त माने जाएंगे। सेवा सलाहकारों के पांच सहायक कर्मचारियों को भी दोनों उच्चायोगों से वापस बुलाया जाएगा। 1 मई 2025 तक आगे की कटौती के माध्यम से उच्चायोगों की कुल संख्या को वर्तमान 55 से घटाकर 30 कर दिया जाएगा अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पहलगाम पर्यटक हमला-35 वर्षों में पहली बार कश्मीर भी आतंकवाद के खिलाफ रोड पर उतरा- इंडियन आर्मी जिंदाबाद, हम हिंदुस्तानी है हिंदुस्तान हमारा है के नारे लगे।दहशतगर्दी के विरोधमें पूरा कश्मीर बंद सफल-पहलगाम वासीसड़कों पर उतरे, विरोध प्रदर्शन किया-मस्जिदों के लाउड स्पीकरों में बंद में शामिल होने की अपीलें कश्मीरियों का साथ-पूरी दुनियाँ का हाथ-भारत की एक्शन पर तुरंत रिएक्शन की रणनीति लगातार चली तो नक्सलवाद की तरह आतंक वाद पर भी डेड लाइन 31 मार्च 2026 हो सकती है।

का विषय है चपरासी के लिए उच्च डिग्रीधारियों के आवेदन

द शर्मा

ारएएस, प्रोफेसर,
न सर्विस व अन्य
ग्यता को पूरी करने
भाषा में कहें तो
आवेदन करने में
ीं कर रहे हैं। यह
ा को प्रश्नों के घेरों
हमारी व्यवस्था जा
ाफ हो जाता है कि
ीं होते हैं तो सवाल
ाप्त करने वाले भी
हीं कर सकें। वहीं
हीं कर सकने वाले
स कर सके हैं और
योग्य है तो उच्च
मने उनके लिए तो
शून्य की समझी
यता वाले आवेदन
तो एक अनार सौ
ती पर फिर सीधा
ोजगार के अवसर
प्राप्त युवाओं के
वेदन करना हमारी
नहीं अपितु पूरी
कर रहे हैं। आखिर
ओं को योग्यता के

आधार पर नौकरी नहीं मिल पा रही।

इससे यह तो साफ हो जाता है कि कहीं ना कहीं पूरी व्यवस्था में ही दोष है। एक और तो सातवें वेतन आयोग के बाद से युवाओं में सरकारी नौकरी का मोह बढ़ा है। फिर रही सही कसर हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था ने पूरी कर दी है जब चुनावों में मुख्य मुद्दा रोजगार को लेकर उठाया जाता है। चुनावों में रोजगार या यों कहें कि बेरोजगारी एक प्रमुख मुद्दा होना चाहिए इससे नकारा नहीं जा सकता है पर केवल सरकारी नौकरी का ही चस्मा दिखाया जाता है तो परिणाम फिर इसी तरह के आते हैं। आजादी के बाद निजी क्षेत्र ने काफी विस्तार किया है। एक समय ऐसा भी रहा है कि जब युवाओं का क्रेज निजी क्षेत्र के प्रति रहता था। निजी क्षेत्र में वेतन-भत्तों के साथ ही सुविधाओं का भी विस्तार था। ऐसा नहीं है कि आज ऐसा नहीं है। आज भी निजी क्षेत्र की अनेकों संस्थाओं में अच्छा पैकेज और सुविधाएं मिलती है। युवाओं को विदेश जाने तक के अवसर मिलते हैं। मेडी क्लेम व अन्य सुविधाएं भी आम है। हां परफोरमेंस और टारगेट की बात अवश्य होती है। सरकारी नौकरी के पीछे भागने का कारण एक तो सर्विस को लेकर किसी तरह का तनाव नहीं होना है। यों कहा जा सकता है कि सरकारी नौकरी में जॉब सिक्योरिटी के साथ ही सुविधाओं का अंबार और पेंशन सुविधा के साथ ही जिम्मेदारी का

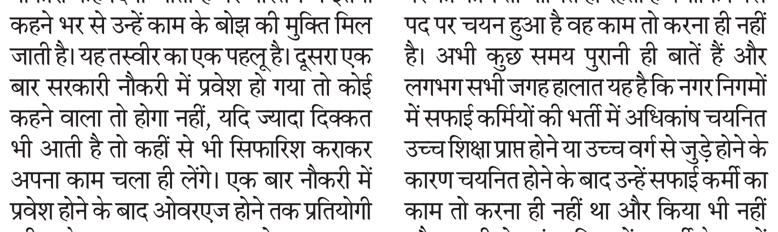

कहीं ना कहीं बोझ नहीं दिखाई देता है।

सरकारी नौकरी में तो एक तरह का समझौता हो जाता है कि जो काम के प्रति निष्ठावान है उसे काम से लाद दिया जाता है और जो काम के प्रति अधिक गंभीर नहीं होते हैं उन्हें कहने को तो नाकारा कह दिया जाता है पर वास्तव में इतना कहने भर से उन्हें काम के बोझ की मुक्ति मिल जाती है। यह तस्वीर का एक पहलू है। दूसरा एक बार सरकारी नौकरी में प्रवेश हो गया तो कोई कहने वाला तो होगा नहीं, यदि ज्यादा दिक्कत भी आती है तो कहीं से भी सिफारिश कराकर अपना काम चला ही लेंगे। एक बार नौकरी में प्रवेश होने के बाद ओवरएज होने तक प्रतियोगी परीक्षा के नाम पर अप्रत्यक्ष रुप से लाभ उठाया जा सकता है। इससे दो तरह की समस्या उत्पन्न होती है एक तो वास्तव में उस योग्यताधारी के सामने नौकरी की समस्या जस की तस रह जाती है जो उस पद की योग्यता ही पूरी कर पाता है, दूसरा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी या फिर शैक्षणिक योग्यता के अनुसार पद नहीं मिलने के कारण सहानुभूति में अन्य कार्य ले लिया जाता है जिससे दोहरा नुकसान होता है एक तो उस पद के योग्य लोगों को नुकसान होता है तो दूसरा मूल पर का काम तो बाधित ही रहता है क्योंकि जिस पद पर चयन हुआ है वह काम तो करना ही नहीं है। अभी कुछ समय पुरानी ही बातें हैं और लगभग सभी जगह हालात यह है कि नगर निगमों में सफाई कर्मियों की भर्ती में अधिकांष चयनित उच्च शिक्षा प्राप्त होने या उच्च वर्ग से जुड़े होने के कारण चयनित होने के बाद उन्हें सफाई कर्मी का काम तो करना ही नहीं था और किया भी नहीं और उनकी सेवाएं आफिस में क्लर्की के रुप में ली जाने लगी। इससे अधिकांश नगर निकायों की सफाई व्यवस्था तो प्रभावित हुई ही साथ ही असली दावेदार तो बेरोजगार ही रह गए और रोजगार के नाम पर ऐसी भर्तियां हुई जो बोझ बनकर ही रह गई। यह वास्तविकता का एक पक्ष है दूसरा पक्ष तो उच्च योग्यता होने के बाद भी उसके अनुसार नौकरी नहीं मिलना है। इसके लिए किसे दोष दिया जाए। सवाल यह उठता है कि बीटेक व्यक्ति को इंजीनियरिंग का काम नहीं मिलता है तो फिर उसकी पढ़ाई का मतलब ही क्या है। सवाल यह है कि जिस तरह से निजी क्षेत्र में नए नए इंजीनियरिंग कालेज, एमबीए कालेज खोले गये और उनमें शिक्षकों की स्थिति, शैक्षणिक स्तर और गुणवत्ता पर ध्यान ही नहीं दिया गया तो केवल डिग्री से क्या होने वाला है।

समस्या इतनी साधारण नहीं है जितनी इसे समझा जा रहा है। यह बढ़ती बेरोजगारी की समस्या नहीं है अपितु कहीं ना कहीं हमारी संपूर्ण व्यवस्था का ही दोष है। हालात का समग्रता के साथ विश्लेषण करना होगा नहीं तो चपरासी हो या सफाई कर्मी इतने ही नहीं अपितु इनसे भी ज्यादा आवेदन आएंगे और भर्ती भी होगी, नौकरी पर भी आयेंगे, वास्तविक युवाओं के लिए रोजगार समस्या ही बना रहेगा, सरकारी खर्चा तो योंही होता रहेगा पर जिस उद्देश्य से या जिस काम के लिए पदों को भरा जाना है उसमें हालात नहीं बदलने वाले हैं। फिर यह कहना कि सफाई कर्मी है पर सफाई नहीं हो रही या चपरासी है पर चपरासी के काम करने वालों की कमी है तो हालात ऐसे ही रहने वाले हैं। यह समूची व्यवस्था के सामने चुनौती है और इसका समाधान खोजना ही होगा।

संक्षिप्त समाचार

फ्लाइट में महिला कर्मचारी से की भारतीय यात्री ने अभद्रता, आरोपी गिरफ्तार

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर जाने वाले विमान की केबिन क्रू (चालक दल) सदस्य की मर्यादा भंग करने के आरोप में मंगलवार को 20 वर्षीय भारतीय नागरिक पर मामला दर्ज किया जाएगा। उड़ान के दौरान 28 वर्षीय महिला केबिन क्रू सदस्य की कथित तौर पर मर्यादा भंग किए जाने की घटना के बाद 28 फरवरी को दोपहर 12 बजकर पांच मिनट पर पुलिस को इसकी सूचना दी गई थी। सोमवार को जारी एक पुलिस बयान के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया कि महिला केबिन क्रू सदस्य एक महिला यात्री को शौचालय की ओर ले जा रही थीं, तभी उन्होंने जमीन पर टिश्यू पेपर का एक टुकड़ा देखा। जब वह उसे उठाने के लिए झुकीं, तभी 20 वर्षीय आरोपी उनके पीछे आया और उन्हें पकड़कर जबरन शौचालय में घुस गया। 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' अखबार की खबर के अनुसार, महिला यात्री जो उस वक्त वहां मौजूद थीं, उन्होंने मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर महिला क्रू सदस्य को विमान के शौचालय से बाहर निकाला। घटना की सूचना केबिन सुपरवाइजर को दी गई और विमान के सिंगापुर के चांगी हवाई अड्डे पर उतरते ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने संबंधित एयरलाइन का नाम उजागर नहीं किया है। आरोपी पर 'मर्यादा भंग करने के इरादे से बल प्रयोग' की धारा के तहत आरोप दर्ज किए जाएंगे। हवाई अड्डा पुलिस विभाग की कमांडर, सहायक आयुक्त एम. मालती ने कहा, हम ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हैं क्योंकि केबिन क्रू प्रशिक्षित पेशेवर होते हैं, जो सभी यात्रियों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं। उन्होंने कहा, पुलिस विमान में सवार सभी कर्मचारियों और यात्रियों को किसी भी प्रकार के यौन उत्पीड़न या हमले से सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

जर्मन इन्फलुएंसर की मौत

बर्लिन, एजेंसी। जर्मन ट्रैवल इन्फ्लुएंसर वैनेसा कोनोपका की लिवर खराब होने और निमोनिया के चलते मौत हो गई। उनके बॉयफ्रेंड ने फेसबुक पर उनकी मृत्यु की घोषणा की। फेसबुक पर लिखा गया कि कोनोपका को 31 दिसंबर को फिलीपींस में गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह कमजोर हो गई थीं। खाने, चलने या आसानी से बोलने में असमर्थ थीं। उनके बॉयफ्रेंड फर्नांडो ने एक गोफंडमी पेज बनाया था, ताकि उन्हें वापस जर्मनी ले जाने के लिए मेडिकल एयर एंबुलेंस के लिए 227,000 डॉलर से अधिक राशि जुटाई जा सके। फर्नांडो ने लिखा कि वैनेसा का निधन हो गया। वह हमेशा आप सभी से जुड़ना पसंद करती थी और फिलीपींस के लिए उसका प्यार शब्दों से परे था। एक बार फिर मैं केवल आपकी प्रार्थनाओं के लिए कह सकता हूं ताकि भगवान उसके प्रियजनों के दिलों को सुकून दे। मुझे उस पर भरोसा है मुझे पता है कि वह वैनेसा के साथ है और मुझे पता है कि भगवान हमेशा हमारे साथ है। वैनेसा और उनके बॉयफ्रेंड फर्नांडो सोशल मीडिया पर लोकप्रिय ट्रैवल अकाउंट हैप्पीनेस क्रॉसिंग चलाते थे, जहां वे बोराके, फिलीपींस में रहने के अपने अनुभवों को साझा करते थे। अपनी मृत्यु से पहले कोनोपका कुछ समय के लिए सोशल मीडिया पर लौटी थीं और उनकी हालत में थोड़ा सुधार दिखा था।

अमेरिका की होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम का हैंडबैग चोरी, बैग में 2.50 लाख रुपए थे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट की सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम का हैंडबैग रविवार को एक रेस्टोरेंट में चोरी हो गया। उनके बैग में सिक्योरिटी बैज और 3000 डॉलर नकद (2.55 लाख रुपए) थे। इसके अलावा हैंडबैग में उनका ड्राइविंग लाइसेंस, दवाइयां, अपार्टमेंट की चाबियां और खाली चेक भी थे। होमलैंड डिपार्टमेंट ने बताया कि नोएम का पूरा परिवार ईस्टर के मौके पर उनके साथ। वह कैश का इस्तेमाल अपने परिवार के साथ डिनर और गिफ्ट खरीदने के लिए कर रही थीं। अमेरिका का होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट एक फेडरल एग्जीक्यूटिव ऑफिस है। इसका मुख्य मकसद अमेरिका को आतंकवाद और अन्य खतरों से सुरक्षित रखना है। यह बॉर्डर कंट्रोल, इमिग्रेशन, आतंकवाद और साइबर सिक्योरिटी जैसी जिम्मेदारी देखता है।

गाजा टेकओवर से लेकर टैरिफ तक, ट्रंप के पहले 100 दिनों में 10 सबसे विवादित फैसले

वाशिंगटन, एजेंसी। वाइट हाउस में दोबारा कदम रखते ही डोनाल्ड ट्रंप ने अपने अंदाज में साफ कर दिया कि ये कार्यकाल पहले से भी ज़्यादा सख्त, तेज और विवादित होने वाला है। चाहे गाजा में युद्धविराम पर अमेरिकी स्टैंड हो या फिर हार्वर्ड जैसी यूनिवर्सिटियों की फंडिंग ब्लॉक करना। ट्रंप प्रशासन के फैसले सिर्फ अमेरिका में, बल्कि पूरी दुनिया में बहस का कारण बने। प्रवासी विरोधी नीतियों से लेकर चीन के खिलाफ व्यापारिक जंग तक, इन 100 दिनों में ट्रंप ने ऐसा कोई मुद्दा नहीं छोड़ा जिसमें उनकी मौजूदगी की गूंज न सुनाई दी हो। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के 10 सबसे धमाकेदार और विवादास्पद फैसले, जिन्होंने वैश्विक राजनीति, कूटनीति और अर्थव्यवस्था में हलचल मचा दी।

पहले ही दिन 26 कार्यकारी आदेश : 20 जनवरी को ट्रंप ने ओवल ऑफिस में वापसी के साथ ही रिकॉर्ड 26 आदेशों पर साइन किए। इसमें प्रमुख रूप से अमेरिका को विश्व स्वास्थ्य संगठन से बाहर किया। 6 जनवरी 2021 के कैपिटल हमले में शामिल लोगों को माफ कर दिया।

गाजा टेकओवर प्लान : इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बैठक में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका गाजा पर नियंत्रण लेकर उसे मिडल ईस्ट की रिविएरा बना सकता है। उन्होंने गाजा से फिलिस्तीनियों को हटाने की बात भी कही। उनकी इस बात की दुनिया भर में जबरदस्त आलोचना हुई।

एलन मस्क और डीओजीई मंत्रालय : 12 फरवरी को ट्रंप ने एलन मस्क को सरकार में डीओजीई का नेतृत्व सौंपा। इस विभाग की कमान संभालते ही मस्क पर ट्रंप प्रशासन पर हावी होने के आरोप भी लगे। ट्रांसपेरेंसी और हितों के टकराव पर सवाल भी उठे। मस्क के साथ इस विभाग की जिम्मेदारी भारतवंशी और रिपब्लिकन नेता विवेक रामास्वामी को भी दी गई, लेकिन उन्होंने बाद में पद छोड़ दिया। अब रामास्वामी ओहियो राज्य के गवर्नर पद की रेस में हैं।

पुतिन से दोस्ती का नया अध्याय : वर्षों की दूरी खत्म करते हुए ट्रंप ने पुतिन से सीधी बातचीत शुरू की। 1कई अमेरिकी-रूसी मीटिंग्स में यूरोप को शामिल नहीं किया गया, जो नाटो सहयोगियों को चौंकाने वाला कदम था।

म्यूनिख में यूरोप को फटकार : अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने यूरोपीय देशों पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता रोकने, रक्षा खर्च न बढ़ाने और अप्रवासियों को लेकर उदार रवैये की कड़ी आलोचना की।

जेलेंस्की का अपमान : जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडोमिर जेलेंस्की अमेरिकी दौरे पर पहुंचे तो उन्हें सार्वजनिक तौर पर काफी अपमान झेलना पड़ा। पहले सूट-बूट नहीं पहनने पर ट्रंप ने उनकी खिल्ली उड़ाई फिर कैमरे के सामने ट्रंप ने काफी सुनाया। नतीजन पहली बार ऐसा हुआ कि वाइट हाउस से बिना खाना खाए किसी नेता को वापस भेज दिया गया।

हार्वर्ड और कोलंबिया यूनिवर्सिटी पर ऐक्शन : ट्रंप प्रशासन ने इजरायल विरोधी प्रदर्शनों पर कार्रवाई के बहाने कोलंबिया यूनिवर्सिटी की 400 मिलियन फंडिंग काटी। इसके बाद हार्वर्ड की 2.2 बिलियन की फंडिंग फ्रीज़ कर दी और टैक्स छूट खत्म करने की धमकी दी। जवाब में हार्वर्ड ने भी ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है।

अवैध प्रवासियों का जबरन निर्वासन एक पुराना युद्धकालीन कानून इस्तेमाल करके 200 से ज्यादा संदिग्धों को जबरन निर्वासित किया गया। यह मामला अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। एक अमेरिकी सैन्य विमान 104 भारतीय प्रवासियों को लेकर पंजाब के अमृतसर में उतरा। यह पहली बार था जब अमेरिका ने किसी गैर-अमेरिकी देश में सैन्य विमान से निर्वासन किया। ग्रीनलैंड पर नजर ग्रीनलैंड पर अमेरिका की टेढ़ी नजर ट्रंप बोले, हमें ग्रीनलैंड चाहिए, सुरक्षा के लिए ज़रूरी है। उन्होंने बल प्रयोग पर भी जोर दिया। ट्रंप की इस बात से डेनमार्क भड़क गया और वाइस प्रेसिडेंट वेंस की यात्रा विवादों में घिरी। टैरिफ वॉर की शुरुआत 2 अप्रैल को ट्रंप ने पूरी दुनिया पर भारी टैरिफ लगा दिए। 9 अप्रैल को आंशिक रियायत दी – ज्यादातर देशों पर 10प्रतिशत टैक्स, लेकिन चीन पर 245प्रतिशत टैक्स। इसके चलते ग्लोबल मार्केट में अफरातफरी मची। डॉलर गिरा और सोने की कीमतें आसमान तक पहुंची।

हिंदुओं को बचाने के लिए स्कॉटलैंड लाया ऐतिहासिक बिल, पहली बार हिंदूफोबिया पर उठी आवाज

एडिनबरा, एजेंसी। यूरोपीय देश स्कॉटलैंड की संसद में पहली बार हिंदू समुदाय के खिलाफ बढ़ते भेदभाव और हाशिए पर डाले जाने को लेकर एक ऐतिहासिक प्रस्ताव पेश किया गया है। एल्बा पार्टी की सांसद ऐश रीगन ने यह प्रस्ताव ग्लासगो की गांधीवादी शांति संस्था की रिपोर्ट के आधार पर पेश किया है। यह कदम न केवल स्कॉटलैंड बल्कि पूरे यूरोपीय संघ में अपनी तरह का पहला प्रस्ताव है। यह प्रस्ताव स्कॉटलैंड के हिंदू समुदाय के सामने आ रही चुनौतियों, जैसे कि धार्मिक नफरत, मंदिरों पर हमले और सांस्कृतिक असहिष्णुता को प्रमुखता से उजागर करता है। प्रस्ताव में क्या है? स्कॉटिश संसद ने गांधीवादी शांति संस्था के कार्यों की सराहना की है। प्रस्ताव में 'हिंदूफोबिया इन स्कॉटलैंड' रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया गया है कि किस तरह से हिंदू समुदाय को भेदभाव, बहिष्करण और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। यह प्रस्ताव अंतर-धार्मिक संवाद, सामाजिक समरसता और विविधता को बढ़ावा देने के प्रयासों को आगे बढ़ाने की अपील करता है। क्या कहती है रिपोर्ट? यह रिपोर्ट स्कॉटलैंड में हिंदू समुदाय पर केंद्रित पहली व्यापक अध्ययन है। इसके अनुसार, 5.4 मिलियन की जनसंख्या वाले स्कॉटलैंड में हिंदुओं की संख्या महज 0.3प्रतिशत है और इस छोटे समुदाय को असमानता, मंदिरों पर हमले, जातिगत टिप्पणियां और दुर्व्यवहार जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। भारतीय मूल के नेताओं की प्रतिक्रिया सरकार द्वारा पेश किए गए इस बिल को लेकर भारतीय मूल के नेताओं की प्रतिक्रिया आई है। भारतीय काउंसिल ऑफ स्कॉटलैंड के अध्यक्ष नील लाल ने कहा, जब मंदिरों पर हमला होता है या हिंदू परिवारों पर फब्तियां कसी जाती हैं।

ट्रंप टॉवर में हाई-वोल्टेज ड्रामा, इमारत की ऊंची जगह पर चढ़ा युवक; पुलिस ने किया गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। सोमवार को न्यूयॉर्क सिटी के मशहूर ट्रंप टॉवर में एक व्यक्ति के सबसे ऊंची जगह पर चढ़ने की घटना सामने आई। पुलिस ने बताया कि यह व्यक्ति मानसिक रूप से अस्थिर लग रहा था और उसे इमारत के अंदर एक ऊंची सतह पर देखा गया। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और उसे सुरक्षित हिरासत में ले लिया गया।

बता दें कि इस इमारत में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पेंटहाउस है। न्यूयॉर्क की सबसे उंची इमारतों में एक ट्रंप टॉवर की ये घटना शाम करीब 4=30 बजे की है। इस इमारत में निजी अपार्टमेंट, रेस्टोरेंट, दुकानें और एक ऊंचा सार्वजनिक एट्रियम है, जो आम लोगों और पर्यटकों के लिए खुला रहता है।

व्यक्ति को सुरक्षित नीचे उतारा गया घटनास्थल पर मौजूद कुछ लोगों ने इस घटना का वीडियो साझा किया, जिसमें देखा गया कि सुरक्षा कर्मी एट्रियम से लोगों को बाहर निकाल रहे हैं। पुलिस और एनवाईपीडी की इमरजेंसी सर्विस यूनिट के अधिकारी हेलमेट और सुरक्षा उपकरण पहनकर मौके पर पहुंचे और व्यक्ति को सुरक्षित नीचे उतारा। फिलहाल उस पर कौन-कौन से आरोप लगेंगे, यह साफ नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चीन की अर्थव्यवस्था ने 2025 की शुरुआत में जबरदस्त छलांग लगाई

बीजिंग, एजेंसी। चीन की अर्थव्यवस्था ने 2025 की पहली तिमाही में मजबूत शुरुआत की है। दुनियाभर में चल रही उथल-पुथल, अमेरिका के साथ व्यापार तनाव और वैश्विक मंदी की आशंकाओं के बावजूद चीन की वृद्धि उम्मीद से बेहतर रही। नवीनतम सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से मार्च के बीच चीन की जीडीपी में 5.4प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। इस तिमाही में चीन की जीडीपी 31.875 ट्रिलियन युआन थी, जो लगभग 4.3 ट्रिलियन डॉलर के बराबर है।

इस वृद्धि के पीछे कई सकारात्मक कारक रहे हैं, जिनमें लोगों की बढ़ती क्रय शक्ति, मजबूत कृषि उत्पादन, उच्च तकनीक विनिर्माण, बेहतर रोजगार और बाजार का भरोसा शामिल है। त्योहारी सीजन में लोगों ने खूब खर्च किया, जिससे सेवा क्षेत्र को भी बढ़ावा मिला। मार्च में औद्योगिक उत्पादन में 7.7प्रतिशत और पूरी तिमाही में 6.5प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, उच्च तकनीक और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

चीनी सरकार पारंपरिक उद्योगों को आधुनिक तकनीक से उन्नत करने का लगातार प्रयास कर रही है। नई गुणवत्ता वाली उत्पादक शक्तियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, चीन अपने विनिर्माण आधार को विज्ञान और नवाचार से जोड़ रहा है। डीपसीक एआई जैसे उदाहरण बताते हैं कि कैसे स्टार्टअप और नवीन तकनीक को अपनाने से देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिल रही है।

तकनीक ने न केवल विनिर्माण बल्कि कृषि में भी अपना जादू दिखाया है। पहली तिमाही में फसल उत्पादन में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। शहरों में बेरोजगारी दर भी फरवरी के 5.4प्रतिशत से घटकर मार्च में 5.2प्रतिशत हो गई। वहीं, खुदरा बिक्री यानी उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री में भी 4.6प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो साफ तौर पर दर्शाता है कि लोग खरीदारी करने से नहीं हिचकिचा रहे हैं।

विदेशी व्यापार की बात करें तो चीन का कुल व्यापार 1.3प्रतिशत बढ़कर 10.3 ट्रिलियन युआन हो गया। मुख्य रूप से, आसियान और बीआरआई देशों के साथ व्यापार संबंधों ने चीन की वृद्धि का समर्थन किया है। आसियान के साथ व्यापार में 7.1प्रतिशत की वृद्धि हुई और बीआरआई देशों का योगदान चीन के कुल विदेशी व्यापार में 51.1प्रतिशत रहा।

चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की वियतनाम, मलेशिया और कंबोडिया की हालिया यात्राओं ने भी व्यापार संबंधों को नई ऊर्जा दी है। चीनी सरकार ने विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए 2025 के लिए एक विशेष योजना भी शुरू की है, जिसमें विदेशों से अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए 20 ठोस कदम शामिल हैं। भले ही संरक्षणवाद, भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी दबाव जैसी अंतरराष्ट्रीय चुनौतियां बनी हुई हैं, लेकिन चीन की अर्थव्यवस्था में लचीलापन दिख रहा है। नीति निर्माता इस साल के विकास लक्ष्य को हासिल करने के लिए सक्रिय मोड में हैं और बाजार के अनुकूल निर्णय ले रहे हैं। हालांकि, आगे का रास्ता बिल्कुल आसान नहीं है। ग्लोबल अनिश्चितता और अंदरूनी चुनौतियों से निपटने के लिए चीन को लगातार स्मार्ट फैसले लेने होंगे। लेकिन, जो रफ्तार अब तक दिखी है, वो बताती है कि चीन फिलहाल अपने आर्थिक मिशन में सही ट्रैक पर है।

रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाने को पूरी ताकत लगाएंगे डोनाल्ड ट्रंप, लंदन में होने जा रहा 'महासम्मेलन'

लंदन, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम करवाने के लिए अमेरिका पूरी ताकत लगा रहा है। बुधवार को लंदन में अमेरिका यूरोपी और यूक्रेन के अधिकारियों के साथ बात करेगा। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो और डोनाल्ड ट्रंप के विशेष राजदूत स्टीव विटकॉफ और केथ केलोग फ्रांस, जर्मनी, यूके और यूक्रेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ बातचीत करेंगे। सोमवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा था, जैसा कि हमने पहले भी बिना शर्त सीजफायर पर सहमति जताई थी, एक बार फिर हम शांति की ओर आगे बढ़ने में विश्वास रखते हैं। यूके के प्रधानमंत्री केर स्टार्मर से फोन पर बात करने के बाद उन्होंने कहा था कि शांति के लिए पहला कदम बिना शर्त सीजफायर ही हो सकता है। हालांकि इस ईस्टर पर रूस ने जो कुछ किया है उससे लगता है कि वह युद्ध को लंबा खींचना चाहता है। पिछले सप्ताह पैरिस में भी अमेरिका ने संभावित सीजफायर डील को लेकर प्रस्ताव पेश किया था। अमेरिका ने रूस को यह भी ऑफर दिया था कि क्रीमिया पर उसके

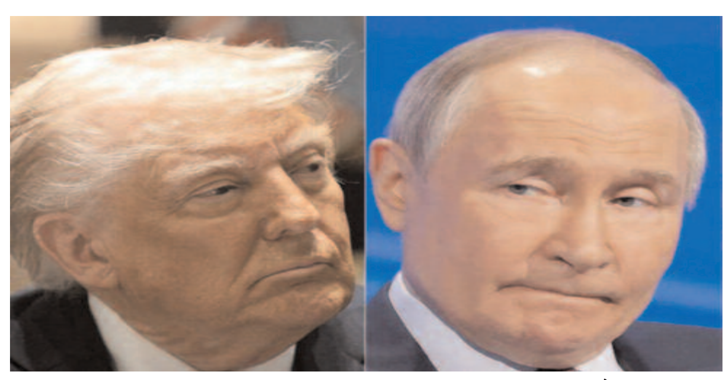

अधिकार को मान्यता दी जाएगी। हालांकि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सहमत नहीं हुए। मामले से जुड़े जानकारों का कहना है कि इस डील में यूक्रेन के ह्वञह्ल में शामिल होने पर रोक और कीव की सुरक्षा का वादा भी शामिल हो सकता है। बता दें कि रूस ने 2014 में व्लादिमीर पुतिन ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद उन्होंने अपने एक्शन को जस्टिफाइ करने के लिए जनमत संग्रह करवाया। हालांकि रूस के इस कब्जे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता नहीं मिली। जेलेंस्की बार-बार कहते हैं कि वह इस इलाके पर रूस के आधिपत्य को स्वीकार नहीं करते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान ही कहा था कि वह राष्ट्रपति बनते ही रूस और यूक्रेन का युद्ध रुकवा देंगे। हालांकि शुक्रवार को परेशान अमेरिका ने कह दिया कि अगर दोनों देश प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करते और सकारात्मक दिशा में आगे नहीं बढ़ते तो वह प्रयास करना ही बंद कर देगा। वहीं रूस ने कहा है कि 30 घंटे के ईस्टर पॉज के बाद उसकी सेनाओं ने फिर से हमला शुरू कर दिया है।

सिंधु नहर परियोजना के खिलाफ सिंध में सड़कों पर जनता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सिंधु नदी से छह नई नहरें खोदने के संघीय सरकार के प्रस्ताव के खिलाफ राष्ट्रवादी दल, वकील, किसान, लेखक और नागरिक समाज के सदस्यों समेत करीब 50 हजार लोग पूरे सिंध प्रांत में विरोध प्रदर्शन और धरना दे रहे हैं। उनका दावा है कि सरकार राज्य के जल संसाधनों को बर्बाद करने का प्रयास कर रही है। इस प्रयास के खिलाफ सिंध प्रांत में जन आंदोलन लगातार बढ़ता जा रहा है। खैरपुर में वकील लगातार तीन दिनों से धरना दे रहे हैं, जिससे पंजाब और सिंध के बीच यातायात जाम हो गया है। द बलूचिस्तान पोस्ट (टीबीपी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 72 करोड़ डॉलर की यह नहर परियोजना ग्रीन पाकिस्तान प्रयास का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य चोलिस्तान रेगिस्तान में सैन्य-संचालित कृषि व्यवसाय के लिए कृषि भूमि बनाने के लिए सिंधु से पानी निकालना है। टीबीपी के अनुसार, विरोधियों का दावा है कि यह योजना सिंध के जल अधिकारों का उल्लंघन करती है और राज्य के कृषि उद्योग को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखती है। इसे लेकर सिंध के सभी शहरों में विरोध शिविर, शटडाउन हड़ताल और प्रदर्शन बढ़ गए हैं। राष्ट्रवादी समूहों ने रेल परिचालन भी रोक दिया है। यहां तक कि सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने परियोजना का विरोध कर गठबंधन छोड़ने की धमकी दी है। टीबीपी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारी सिंधु बचाओ जागरूकता मार्च के हिस्से के रूप में हैदराबाद में इकट्ठे हुए और घोषणा की कि वे तब तक नहीं रुकेंगे जब तक कि अनुमानित नहर परियोजना को पूरी तरह से छोड़ नहीं दिया जाता। एमक्यूएम के संस्थापक और नेता अल्ताफ हुसैन ने पहले सिंधु नदी से नई नहरों के विकास का कड़ा विरोध किया था और अब इस परियोजना को सिंध को पानी से वंचित करने और इसे शुष्क बनाने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास बताया है।

आव्रजन एजेंट रिकर्स द्वीप जेल में नहीं कर सकेंगे काम, न्यायाधीश ने न्यूयॉर्क के मेयर के आदेश पर लगाई रोक

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संघीय आव्रजन एजेंट अब रिकर्स द्वीप जेल परिसर से काम नहीं कर सकेंगे। न्यूयॉर्क के संघीय न्यायाधीश ने मेयर एरिक एडम्स की ओर से आव्रजन एजेंटों को दी गई अनुमति पर अस्थायी रोक लगा दी है। एरिक एडम्स के आदेश के खिलाफ दायर मुकदमे पर 25 अप्रैल को सुनवाई होनी है। इससे पहले लिखित आदेश में न्यायाधीश मैरी रोसाडो ने मेयर को संघीय सरकार के साथ किसी भी समझौता ज्ञापन पर बातचीत, हस्ताक्षर या कार्यान्वयन की दिशा में कोई भी कदम उठाने से रोक दिया। न्यूयॉर्क मेयर एरिक एडम्स ने अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन और अन्य संघीय एजेंसियों को जेल परिसर में कार्यालय बनाए रखने की अनुमति दी थी। इसके खिलाफ न्यूयॉर्क सिटी काउंसिल ने न्यायालय में मुकदमा दायर करके कार्यकारी आदेश को रोकने की मांग की है। मुकदमे में डेमोक्रेट एडम्स पर न्याय विभाग द्वारा उनके खिलाफ आपराधिक आरोपों को वापस लेने के बदले में ट्रंप प्रशासन के साथ भ्रष्ट सौदेबाजी में प्रवेश करने का आरोप लगाया गया है। इस मुकदमे की सुनवाई 25 अप्रैल को होनी है। मुकदमे में कहा गया है कि जेल परिसर में आव्रजन एजेंटों और अन्य संघीय एजेंसियों की मौजूदगी उन्हें गिरोह और नशीली दवाओं से संबंधित जांच में सहायता करने की अनुमति देगी, लेकिन नागरिक आव्रजन प्रवर्तन में उनकी कोई भूमिका नहीं होगी। वहीं एडम्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि सुनवाई से पहले शहर ट्रंप प्रशासन के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। एडम्स ने पहले घोषणा की थी कि वह अपने पहले डिप्टी मेयर रैंडी मैस्ट्रो को रिकर्स द्वीप पर आव्रजन एजेंटों की वापसी पर सभी निर्णय लेने के लिए नियुक्त करेंगे ताकि किसी संघर्ष की स्थिति न बने। वहीं मैस्ट्रो ने पिछले सप्ताह कहा था

कि योजना पर संघीय सरकार के साथ चर्चा जारी है। सिटी काउंसिल के अध्यक्ष एड्रिएन एडम्स के प्रवक्ता जूलिया एगोस ने कहा कि परिषद ट्रंप प्रशासन और उसके एजेंटों द्वारा हमलों के खिलाफ सभी न्यूयॉर्क वासियों के अधिकारों और सुरक्षा की रक्षा करने का प्रयास कर रहा है। हम न्यायाधीश रोसाडो के निर्णय की सराहना करते हैं। उन्होंने शुक्रवार की सुनवाई तक प्रशासन और संघीय एजेंसियों के बीच किसी भी समझौते पर बातचीत या क्रियान्वयन को रोक दिया है ताकि समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। आव्रजन एजेंटों की पहले रिकर्स द्वीप में उपस्थिति थी, लेकिन 2014 में न्यूयॉर्क शहर के अभ्यारण्य कानूनों के तहत उन्हें आव्रजन प्रवर्तन के साथ सहयोग को सीमित करने के तहत वहां काम करने से प्रभावी रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया था।

तय समय पर रिलीज नहीं होगी विजय देवरकोंडा की किंगडम? अनिरुद्ध रविचंदर बने फिल्म में देरी की वजह

विजय देवरकोंडा इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म किंगडम को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का पहला टीजर जारी किया था, जिसके बाद से फैंस के बीच इस फिल्म को लेकर और उत्साह बढ़ गया। हालांकि, अब लगता है कि फिल्म की रिलीज पर संकट आ गया।

फिल्म की रिलीज में हो सकती है देरी

विजय देवरकोंडा ने जर्सी के निर्देशक गौतम तिन्नानुरी के साथ किंगडम के लिए हाथ मिलाया। यह फिल्म एक साल से अधिक समय से बन रही है और 30 मई, 2025 को स्क्रीन पर आने के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन ताजा चर्चा के अनुसार, किंगडम की रिलीज को टाला जा सकता है। इसके कई कारण हैं, लेकिन फिल्म के साथ सबसे बड़ी समस्या संगीत है।

इस वजह से फिल्म में हो रही देरी

अनिरुद्ध किंगडम के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं और उन्हें अभी बैकग्राउंड स्कोर तैयार करना है। उन्हें अभी बहुत सारा काम पूरा करना है, और चूंकि वे कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं, इसलिए उन्हें विजय की फिल्म के लिए समय नहीं मिल पा रहा है। ओटीटी प्ले के अनुसार, निर्माता थोड़े चिंतित हैं, क्योंकि उन्होंने किंगडम के लिए भारत भर में व्यापक प्रचार की योजना बनाई है और यदि वे तारीख से चूक जाते हैं तो उन्हें अगस्त 2025 की ओर देखना होगा, क्योंकि मई और जून में अन्य तेलुगु बड़ी फिल्में रिलीज होंगी।

फिल्म का एक शेड्यूल भी है बाकी

निर्माता नागा वामसी ने अपने कई साक्षात्कारों में खुलासा किया कि अनिरुद्ध एक ऐसे संगीतकार हैं, जो दबाव में काम नहीं करते और अपनी शर्तों पर काम पूरा करते हैं। साथ ही फिल्म का एक छोटा सा शेड्यूल हैदराबाद में शूट किया जाना है। दूसरी ओर विजय देवरकोंडा फिल्म के लिए अपनी डबिंग का काम पूरा करने में व्यस्त हैं और अन्य पोस्ट-प्रोडक्शन औपचारिकताएं भी तेजी से चल रही हैं। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट में देरी होने की संभावनाओं पर निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

नेपो किड्स पर नुसरत ने साधा निशाना

हाल ही में अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने अपने सिनेमाई संघर्षों के बारे में बात की और नाखुश दिखीं। अभिनेत्री ने बताया कि कैसे जान-पहचान वालों के लिए सिनेमा में जगह बनाना आसान हो जाता है। साथ ही उन्होंने बताया कि निर्देशकों से एक बार मिलने के लिए उन्हें बहुत संघर्ष करने पड़े थे। जानिए पूरी खबर।

नुसरत भरूचा ने क्या कहा?

अभिनेत्री नुसरत भरूचा इस समय अपनी फिल्म छोरी 2 के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी दौरान वह शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में पहुंची, जहां उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में बात की। अभिनेत्री ने कहा कि उन लोगों को इंडस्ट्री से बहुत फायदा होता है, जिन्हें लोग पहले से पहचानते हैं या फिर उनके माता-पिता को जानते हैं। जान-पहचान की वजह से वो लोग उस जगह पर पहुंच जाते हैं, जहां इंडस्ट्री में नए एक्टर्स नहीं पहुंच पाते हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस ने बताया कि वो उन दरवाजों पर दस्तक दे सकते हैं, जिन्हें नए या अनजान लोगों को पता नही होता है, जिस कारण वह आसानी से अपने लक्ष्य की ओर पहुंच जाते हैं। इसी वजह से उन लोगों को काम आसानी से मिल जाता है।

अभिनेत्री ने अपने संघर्ष की सुनाई कहानी

आगे बातचीत में अभिनेत्री ने अपने संघर्ष के दिनों के बारे में बताया कि उन्हें किसी फिल्म निर्माता या निर्देशक से मिलने के लिए भी बहुत संघर्ष करने पड़ते थे। इसके अलावा उन्होंने कहा कि वह किसी को नेपो किड्स नहीं कहना चाहेंगी, क्योंकि सबके अपने-अपने संघर्ष हैं। वहीं, उन्होंने कुछ नामों का भी जिक्र किया, जिन्होंने अभिनेत्री के मुश्किल दिनों में उनकी सहायता की। नुसरत ने बाताया कि निर्देशक कबीर खान ने उन्हें मिलने का समय दिया और उनका दिन बन गया था, इस वजह से वह कई दिनों तक खुश रही थी।

नुसरत भरूचा का वर्कफ्रंट

अगर नुसरत भरूचा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह इस समय अपनी फिल्म छोरी 2 में व्यस्त हैं, जो हाल ही में रिलीज हुई थी। इस फिल्म का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है। वहीं, फिल्म में भरूचा के अलावा सौरभ गोयल, सोहा अली खान, कुलदीप सरीन और पल्लवी अजय शामिल हैं।

रोहित शेट्टी-जॉन अब्राहम की फिल्म में तमन्ना की एंट्री

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया इन दिनों ओडेला 2 को लेकर चर्चा में बनी हुई है। वहीं, अब अभिनेत्री की नई फिल्म को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। ऐसा लगता है कि तमन्ना भाटिया को कुछ रोमांचक प्रोजेक्ट मिल गए हैं। हाल ही में अभिनेत्री अनीस बज्मी की नो एंट्री 2 में अपनी कास्टिंग की अफवाहों को लेकर सुर्खियों में रहीं और आज, 19 अप्रैल को कहा जा रहा है कि वह कथित तौर पर रोहित शेट्टी की आगामी प्रोजेक्ट के लिए तैयार हो गई हैं। चर्चा है कि तमन्ना को जाहिर तौर पर फिल्म में जॉन अब्राहम के साथ कास्ट गया है, जिसे एक मनोरंजक एक्शन ड्रामा बताया जा रहा है। रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित यह फिल्म मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश मारिया पर आधारित होने की संभावना है। पीपिंगमून की रिपोर्ट के अनुसार, तमन्ना प्रीति मारिया की भूमिका निभाती नजर आ सकती हैं, जबकि जॉन राकेश मारिया का किरदार निभा सकते हैं। सूत्र का हवाला देते हुए रिपोर्ट में फिल्म की कहानी के बारे में बताया गया। कहा गया कि तमन्ना का किरदार यानी प्रीति, राकेश (जॉन अब्राहम) के लिए हमेशा ताकत का स्तंभ रही हैं, जिन्होंने उनके करियर के सबसे खतरनाक और चुनौतीपूर्ण पलों में उनका साथ दिया और शहर को आतंकवादियों से बचाने के दौरान उनके परिवार की देखभाल की। उनकी भूमिका उनकी कहानी का अभिन्न अंग है और तमन्ना इस किरदार को जीवंत करने के लिए रोमांचित और सम्मानित महसूस कर रही हैं।

अगर तमन्ना वाकई इस किरदार के लिए चुनी जाती हैं तो रोहित शेट्टी की इस फिल्म में जॉन के साथ उनकी दोबारा ऑनस्क्रीन जोड़ी होगी। पिछले साल उन्होंने निखिल आडवाणी की फिल्म वेदा में जॉन की पत्नी के रूप में कैमियो किया था। बता दें कि रोहित की आने वाली फिल्म राकेश मारिया की की आत्मकथा लेट मी से इट नाउ पर आधारित है। फिल्म की शूटिंग 18 अप्रैल को मुंबई में शुरू हुई थी। और शहर में 40 स्थानों पर इसकी शूटिंग होने की उम्मीद है।

प्रियदर्शन की फिल्म में इस भूमिका में नजर आएंगे सैफ अली खान

कई दिनों से खबरें आ रही थीं कि अभिनेता सैफ अली खान निर्देशक प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित आगामी थ्रिलर फिल्म में एक अंधे व्यक्ति की भूमिका निभाएंगे। यह पहली बार होगा जब सैफ अली खान निर्देशक प्रियदर्शन के साथ काम करेंगे। वहीं, अब सैफ अली खान ने खुद इस खबर की पुष्टि कर दी है कि वह प्रियदर्शन के साथ काम कर रहे हैं।

हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में सैफ अली खान ने पुष्टि की, हां, मैं प्रियदर्शन के साथ अगली फिल्म कर रहा हूं। मैं एक अंधे व्यक्ति की भूमिका निभा रहा हूं। बहुत रोमांचक है। मुख्य रूप से अपनी कॉमेडी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले प्रियदर्शन ने इस फिल्म के साथ थ्रिलर जॉनर में उतरने का फैसला लिया है।

प्रियदर्शन ने की सैफ की तारीफ

प्रियदर्शन ने सैफ के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए कहा कहा, मुझे हमेशा से सैफ की स्क्रीन उपस्थिति पसंद रही है। मैं उनके साथ कुछ उपयुक्त काम करने का इंतजार कर रहा था। यह फिल्म प्रियदर्शन की मलयालम क्लासिक ओप्पम की रीमेक होगी, जिसमें मोहनलाल ने एक अंधे चौकीदार की भूमिका निभाई थी, जो एक सीरियल किलर से भिड़ जाता है।

सैफ अली खान की आने वाली फिल्में

इस थ्रिलर से पहले सैफ अली खान नेटफ्लिक्स की फिल्म ज्वेल थीफ में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ जयदीप अहलावत भी हैं, जो 25 अप्रैल को रिलीज होगी।

डांस आधारित प्रोजेक्ट पर काम करना चाहती हैं सुम्बुल तौकीर

टीवी सीरियल काव्या एक जज्बा एक जुनून फेम सुम्बुल तौकीर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी एक्टिंग और डांस वीडियोज पोस्ट करती रहती हैं। उन्हें एक्टिंग जितनी पसंद है, उससे कहीं ज्यादा डांस की दीवानी हैं। यही वजह है कि एक्ट्रेस ने डांस पर आधारित फिल्म में काम करने की इच्छा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि वह डांस थीम पर आधारित फिल्म, सीरीज या यहां तक कि रियलिटी शोज भी करना चाहती हैं। सुम्बुल ने कहा, मैं डांस पर आधारित फिल्म, सीरीज या यहां तक कि रियलिटी शो करना पसंद करूंगी। यह मेरे लिए सिर्फ एक कला नहीं बल्कि एक एहसास है। यह मेरे लिए सुकून है। अकेलापन हो या खुशी का अवसर, डांस मेरे लिए एक खास दोस्त की तरह है। एक्ट्रेस ने कहा, मेरी जिंदगी में कई बार ऐसा वक्त भी आया, जब न तो किसी का साथ काम आया और न ही शब्द, एक डांस ही था, जिसने मुझे संभाले रखा। जब मैं डांस करती हूं, तो मुझे एक अलग ही सुकून मिलता है। मैं खुद को आजाद महसूस करती हूं। मैं एक ऐसा किरदार निभाना चाहूंगी, जो डांस के जरिए कहानी बयां करे। यह दिल से जुड़ा एक खास एहसास है। मैं हर धड़कन को महसूस करना चाहती हूं, हर पल को जीना चाहती हूं। अगर ऐसा कोई प्रोजेक्ट मेरे पास आता है, तो यह मेरी प्रार्थनाओं का असर होगा। सुम्बुल तौकीर ने सोनी लिव के हिट शो इमली से घर-घर में पहचान बनाई। इसके अलावा, उन्होंने काव्या- एक जज्बा, एक जुनून, बालवीर, गंगा, वारिस जैसे टीवी सीरियल्स में भी काम किया। वह रियलिटी शो बिग बॉस 16 में भी नजर आईं। उन्होंने आयुष्मान खुराना की फिल्म आर्टिकल 15 में सहायक कलाकार के तौर पर काम किया।

तुम्हें दिल्लगी को रीक्रिएट करना मेरे लिए सम्मान और चुनौती की बात

फिल्म रेड 2 के निर्माताओं ने शनिवार को अपना नया गाना तुम्हें दिल्लगी रिलीज किया, यह नुसरत फतेह अली खान के प्रतिष्ठित क्लासिक का रीक्रिएशन है। गायक जुबिन नौटियाल ने कहा कि इस गाने को फिर से बनाना एक सम्मान और चुनौती भरा काम था। जुबिन नौटियाल ने कहा कि तुम्हें दिल्लगी हमेशा से उन गीतों में से एक रहा है जो मेरे साथ रहा है। बचपन से अब तक मैं नुसरत साहब के इस जादुई गीत का आनंद ले रहा हूं।

संगीतकार रोचक कोहली ने इस गाने को तैयार किया है और नौटियाल की आवाज में इसे जीवंत किया गया है। गाने के बोल मनोज मुंतशिर और पुरनम इलाहाबादी ने लिखे हैं। नौटियाल ने कहा कि इस संस्करण में एक गहरी तड़प है, जिसे मैंने हर नोट के माध्यम से समेटने की कोशिश की है। यह दो लोगों के बीच की खामोशियों और अनकहे भावनाओं को व्यक्त करता है। एक ऐसे गाने को फिर से बनाना, जिसे मैंने लंबे समय से पसंद किया, मेरे लिए सम्मान और चुनौती दोनों से भरा था। ये गीत अजय देवगन और वाणी कपूर पर फिल्माया गया है जो दोनों के बीच के रिश्ते को उजागर करता है।

संगीतकार रोचक कोहली कहते हैं कि तुम्हें दिल्लगी जैसी क्लासिक फिल्म को फिर से प्रस्तुत करना एक जिम्मेदारी की भावना के साथ आया। उन्होंने कहा कि मूल गीत में गहरी भावनात्मक ताकत है और मेरा उद्देश्य इसे सम्मान देना था, साथ ही इसे रेड 2 की 80-90 के दशक की दुनिया में फिट होने वाली बनावट देना था।

यह सिनेमाई संदर्भ के साथ पुरानी यादों को मिलाने के बारे में है जो ताजा तो लगता है, लेकिन भावनाओं में गहराई से निहित है। राज कुमार गुप्ता द्वारा निर्देशित, रेड 2 में रितेश देशमुख, सुप्रिया पाठक, सौरभ शुक्ला और अमित सियाल भी हैं। भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित यह फिल्म गुलशन कुमार और टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत की गई है और यह पैनोरमा स्टूडियो द्वारा निर्मित है। यह 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इमरान हाशमी ने बताया कैसी फिल्में बनाने की है जरूरत

अभिनेता इमरान हाशमी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'ग्राउंड जीरो' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। कश्मीर से लेकर मुंबई तक में फिल्म की स्क्रीनिंग की जा रही है और पूरी टीम फिल्म के प्रचार में जुटी है। इस बीच इमरान हाशमी ने सिनेमा की दुनिया में प्रासंगिक बने रहने या नए निर्माताओं के साथ काम करने के लिए क्या करना चाहिए इस पर बात की। साथ ही उन्होंने कहा कि युवाओं को समझना और उनसे सीखना मौजूदा वक्त में बने रहने के लिए बहुत जरूरी है। हाल ही में बातचीत में इमरान हाशमी ने नए लोगों के साथ काम करने के लिए किस तरह से संतुलन बनाना जरूरी है, इसको लेकर बात की। अभिनेता ने कहा, जब आप एक निश्चित उम्र पार कर लेते हैं, जब नए तरह के अभिनेता और फिल्म निर्माता आते हैं, तो प्रासंगिकता और उनसे जुड़ना बहुत जरूरी हो जाता है। उनसे सीखना बहुत जरूरी है, क्योंकि मुझे लगता है कि प्रासंगिकता इसी के बारे में है। एक कलाकार के तौर पर इमरान ने कहा कि उन्हें चीजों को बदलना और खुद को चुनौती देना पसंद है। अभिनेता ने कहा, जब मैंने 2017-2018 में 'बार्ड ऑफ ब्लड' किया, तो वह एक बदलाव था। अगर मैं सिर्फ पीछे की ओर जा रहा था और मैं ऐसा सोच रहा था कि मैं वही करता रहूंगा जो मैं करता हूं, तो यह प्रासंगिकता के लिए प्रतिकूल है। इंडस्ट्री एक अलग चरण से गुजर रही है जहां हमें अपनी फिल्मों के प्रकार पर फिर से सोचने जरूरत है। ऐसी फिल्में बनाएं जो थोड़ी अधिक जड़ें जमाए हुए हों और दर्शकों के लिए पूरे भारत की भावना को सामने लाएं।

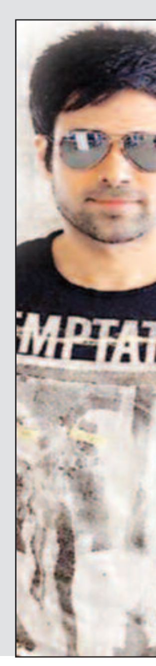

स्वामी मुद्रक,प्रकाशक पीतम सिंह द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस,डी-85 सेक्टर-6 नोएडा गौतमबुद्धनगर से मुद्रित करवाकर मकान नं.-57 सोरखा, जाहिदाबाद सेक्टर-115 नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित किया। **RNI.NO.UPHIN/2010/31600** इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय गौतमबुद्धनगर न्यायालय के अधीन होगा। **संपादक (प्रमोद यादव) मो.9999164275, E-editorsaimedia@gmail.com**